हिन्दी दैनिक

अमर भास्कर

Subscribe Amar Bhaskar News @amarbhashkarnews Amar bhashkar

ज़िद सच की

बरेली, मुरादाबाद, अलीगढ़, आगरा, सहारनपुर मंडल, दिल्ली एनसीआर एवं उत्तराखंड में प्रसारित

सीएम योगी बोले- कयामत के लिए जीने वालों कायदे.....01

Email- amarbhashkar21@gmail.com, www.amarbhashkar.in

अखिलेश बोले- अमेरिका से डील नहीं ढील हुई है.....01

वर्ष: 03 अंक: 206 | बदायूं, बुधवार 11 फरवरी 2026 | पृष्ठ- 08 | मूल्य- 4.00 रूपये

तीन महीने में फैसला दे दिल्ली हाईकोर्ट

कुलदीप सेंगर की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

दिल्ली। उन्नाव दुष्कर्म पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी टिप्पणी की है। मामले में कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट को निर्देश दिया है कि वह इस मामले से जुड़ी अपीलों की सुनवाई तेजी से करे। यह आदेश सुप्रीम कोर्ट ने निष्कासित भाजपा नेता कुलदीप सिंह सेंगर की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया। दरअसल, कुलदीप सिंह सेंगर को इस मामले में 10 साल की सजा सुनाई गई है। उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट में सजा निलंबित करने की मांग की थी, लेकिन हाईकोर्ट ने इसे मंजूरी देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद सेंगर ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया।

मामले में सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच, जिसमें जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस एन.वी. अंजरिया शामिल थे, ने कहा कि यह मामला ऐसा है जिसमें हाईकोर्ट को अपील पर आउट ऑफ टर्न यानी प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई करनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने साफनिर्देश दिया कि दिल्ली हाईकोर्ट इस अपील का निपटारा तीन महीने के भीतर करे। सुनवाई के दौरान पीड़ित पक्ष के वकील ने कोर्ट को बताया कि उन्होंने भी ट्रायल कोर्ट के फैसले के खिलाफअलग से अपील दाखिल की है। इसमें सजा की अवधि समेत कई बिंदुओं को चुनौती दी गई है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चूंकि हाईकोर्ट के आदेश में उस अपील का कोई जिक्र नहीं है, इसलिए वह उस पर अभी कोई टिप्पणी नहीं कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी ध्यान में रखा कि आरोपी सेंगर पहले ही कुछ समय जेल में काट चुका है। इन सभी परिस्थितियों को देखते हुए कोर्ट ने हाईकोर्ट से कहा कि वह मामले की जल्द सुनवाई करे और तय समयसीमा में फैसला सुनाए।

सुनवाई के दौरान सीजीआई ने उन्नाव रेप केस मामले में रेप पीड़िता के वकील महमूद प्राचा को मीडिया ट्रायल करने के लिए फटकार लगाई। सुनवाई के दौरान जब प्राचा कोर्टरूम में मौजूद थे, तो सीजेआई ने वकील को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि अगर वह आगे भी मीडिया ट्रायल करते हैं, तो उनका लाइसेंस निलंबित किया जा सकता है।

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा यह जो मीडिया ट्रायल हो रहा है, वह सही नहीं है। मिस्टर प्राचा कोर्ट के बाहर आपके द्वारा किए जा रहे इस मीडिया ट्रायल के बारे में यह मत सोचिए कि मुझे नहीं पता। आपका लाइसेंस मैंने बचाया था। मैंने यह सोचकर बचाया था कि आप अपने पेशे के प्रति ईमानदार रहेंगे। अगर हमें पता चला कि आप कोर्ट के बाहर इस तरह का ड्रामा कर रहे हैं... तो हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। आप बाहर समानांतर ट्रायल चला रहे हैं! हमारी चेतावनी को गंभीरता से लें। भारत के मुख्य न्यायाधीश के तौर पर मैं इसे बर्दाश्त नहीं करूंगा। हम आपको सिर्फचेतावनी दे रहे हैं। हमने अपना संदेश दे दिया है। मुझे उम्मीद है कि लोग इसका पालन करेंगे। वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ डे ने अपीलकर्ता कुलदीप सिंह सेंगर की तरफसे और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने की तरफसे पेश होकर बहस की।

एआई जनरेटेड कंटेंट पर लगाना होगा वाटरमार्क

सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए जारी किया आदेश

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए आदेश जारी किया। इसमें कहा गया कि ये प्लेटफॉर्म एआई-जनित सामग्री पर स्पष्ट रूप से लेबल (वाटरमार्क) लगाएं। ऐसी सामग्री में पहचान के लिए संकेत जरूर होने चाहिए। सरकार ने कहा कि एक बार एआई लेबल या मेटा डाटा लगाने के बाद उसे हटाया या दबाया नहीं जा सकता।

सरकार ने कहा कि अब मानव निर्मित या कृत्रिम रूप से बनाई गई जानकारी को स्पष्ट रूप से पहचान योग्य लेबल (वाटरमार्क) के साथ दिखाना अनिवार्य होगा। इसमें ऑडियो, वीडियो, फोटो या ग्राफिक सहित किसी भी डिजिटल सामग्री को शामिल किया गया है, जिसे कंप्यूटर या किसी संसाधन से बनाया गया, संशोधित किया गया या बदला गया हो। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी यूजर ऐसी सामग्री का गलत इस्तेमाल न करे। अगर कोई यूजर गैरकानूनी, अश्लील, धोखाधड़ी या बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री बनाए या साझा करे, तो प्लेटफॉर्म्स उसे रोकने के लिए स्वचालित (ऑटोमेटेड) तकनीक का इस्तेमाल करेंगे। प्लेटफॉर्म्स को यूजर्स को कम से कम हर तीन महीने में चेतावनी देनी होगी कि नियमों का उल्लंघन करने पर दंड या सजा हो सकती है। यदि कोई नियम तोड़े, तो उसका खाता निलंबित किया जा सकता है या सामग्री को हटाया जा सकता है।

सरकार ने कार्रवाई की समयसीमा भी घटा दी है। पहले 36 घंटे में कार्रवाई करनी थी, अब तीन घंटे में सूचना देना अनिवार्य है। उल्लंघन होने पर प्लेटफॉर्म्स को तुरंत उचित कार्रवाई करनी होगी। यह कदम डिजिटल मीडिया में सुरक्षा, पारदर्शिता और जिम्मेदारी सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। इससे यूजर्स को यह पता चलेगा।

एक नजर

लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव में तकनीकि खामी

दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की विपक्ष की कोशिश उस समय अटक गई, जब प्रस्ताव के नोटिस में तकनीकी खामियां पाई गईं। नोटिस में वर्ष 2026 की जगह बार-बार 2025 लिखा गया था, जिसे गंभीर प्रक्रियागत चूक माना गया। इसके बाद कांग्रेस को संशोधित नोटिस के साथ प्रस्ताव दोबारा जमा करना पड़ा। प्रक्रियागत नियमों के अनुसार, ऐसे किसी भी प्रस्ताव में सभी जानकारियों का सटीक और तथ्यात्मक रूप से सही होना अनिवार्य होता है। साल की गलती सामने आने के बाद नोटिस को स्वीकार नहीं किया गया, जिससे विपक्ष को असहज स्थिति का सामना करना पड़ा। यह मामला इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि हाल ही में तत्कालीन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के खिलाफलाए गए एक प्रस्ताव को भी तकनीकी कारणों से खारिज कर दिया गया था। उस समय उनके उपनाम की वर्तनी में गलती पाई गई थी। लगातार हो रही ऐसी चूकों ने विपक्ष की रणनीति और तैयारी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। विपक्षी दलों का आरोप है कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सदन की कार्यवाही का संचालन पक्षपातपूर्ण तरीके से कर रहे हैं। हालांकि, संख्या बल को देखते हुए इस अविश्वास प्रस्ताव को प्रतीकात्मक कदम माना जा रहा है, क्योंकि इसके पारित होने की संभावना बेहद कम है। तकनीकी गलती के चलते कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों को राजनीतिक रूप से शर्मिंदगी झेलनी पड़ी है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब सरकार और विपक्ष के बीच टकराव अपने चरम पर है और विपक्ष लगातार अध्यक्ष पर सदन को एकतरफा तरीके से चलाने का आरोप लगा रहा है। मंगलवार को विपक्षी दलों ने संविधान के अनुच्छेद 94(सी) के तहत लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस सौंपा। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने बताया कि यह नोटिस दोपहर 1 बजकर 14 मिनट पर लोकसभा के प्रक्रिया एवं कार्य संचालन किया गया।

सीएम योगी बोले- कयामत के लिए जीने वालों कायदे से रहो, अब बाबरी मस्जिद कभी नहीं बनेगी

अमर भास्कर, ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि भाजपा सरकार रुकने वाली नहीं है। ये सरकार जितना बोलती उतना करती है। उतना ही बोलती है जितना करती है। जो कयामत के दिन आने का सपना देख रहे है वह दिन आने वाला नहीं है। बाबरी मस्जिद अब कभी भी नहीं बनने वाली है। हम अपनी विरासत को यूं ही मजबूत करेंगे। याद करिए 500 साल बाद अयोध्या में गौरवपूर्ण क्षण आया। कितनी सरकारें आई कितनी गईं। कितने राजा महाराजा हुए मगर अयोध्या में राम मंदिर क्यों नहीं बनवाया। राम सबके है।

उन्होंने कहा कि कुछ लोग ऐसे हैं जो अवसरवादी रवैया अपनाकर संकट में राम को याद करते हैं। बाकी राम को विस्मित कर देते हैं इसलिए अब भगवान राम उनको भूल चुके हैं। सीएम योगी ने आगे कहा कि कयामत के लिए मत जियो। हिंदुस्तान में कायदे से रहना सीखो। कानून मानोगे तो फायदे में रहोगे। नहीं तो आगे का रास्ता सीधा जहन्नुम जाता है। कानून तोड़ने वाले जहन्नुम जाएंगे। हर भारत वासी का एक ध्येय एक भारत श्रेष्ठ भारत हो। हमारा देश वैभवशाली हो। विकसित हो। हर संत देश के लिए है और धर्म भी देश के लिए है। धर्म और देश एक आत्मा और शरीर है। भारत और सनातन एक दूसरे के पूरक है। सीएम योगी मंगलवार को दरियाबाद विधानसभा क्षेत्र में दुल्हदेपुर स्थित बाबा हरिशंकर दास की कुटी पर आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। दोपहर करीब सवा दो बजे सीएम का हेलीकॉप्टर कुटी के पास उतरा। यहां महंत बलरामदास ने उनका स्वागत किया। यहां पहुंचकर उन्होंने कथा मंडप का उद्घाटन किया और रामार्चा यज्ञ में आहुतियां अर्पित की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने कुटी परिसर में आयोजित जनसभा को संबोधित किया।

बजट पर चर्चा: अमेरिका से डील नही ढील हुई, बजट में यूपी के लिए कुछ नहीं

अखिलेश यादव का सरकार पर हमला

अमर भास्कर, ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने लोकसभा में बजट पर बोलते हुए सरकार पर तीखे सवाल उठाए हैं। उन्होंने अमेरिका के साथ हुए कथित डील और बजट की प्राथमिकताओं पर सरकार को घेरा। यादव ने कहा कि यह डील नहीं बल्कि ढील साबित हुई है, जिसका देश की अर्थव्यवस्था और किसानों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

अखिलेश यादव ने बजट आने से पहले और बाद में अमेरिका के साथ हुई श्डीलश् को लेकर सरकार पर हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ने कई देशों के साथ फ्री ट्रेड डील करने का दावा किया है, लेकिन अब सवाल यह है कि कितने देश बचे हैं जिनसे ऐसी डील नहीं हुई है। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि इस डील के बाद रुपये की स्थिति क्या होगी और पूछा कि अगर यही डील करनी थी तो पहले क्यों नहीं की गई। उनके अनुसार, यह डील देश के लिए कोई बड़ा लाभ नहीं बल्कि एक प्रकार की ढील है, जिससे देश को यह तय करना होगा कि 18 बड़ा है या जीरो, और बजट पहले बना या डील पहले हुई।

यादव ने वर्तमान बजट को दिशाहीन बताते हुए कहा कि इसमें गरीब, पिछड़े और दलित वर्ग के लिए कोई ठोस प्रावधान नहीं हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब इतने बड़े बजट लाए जा रहे हैं, तो भी प्रति व्यक्ति आय क्यों नहीं बढ़ रही है। उन्होंने सरकार से फ्री राशन पाने वाले लोगों की प्रति व्यक्ति आय बताने की मांग की। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य के लिए बजट में किसी खास योजना का उल्लेख न होने पर भी अखिलेश यादव ने असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश से प्रधानमंत्री होने के बावजूद, भारत सरकार के बजट से कोई भी एक्सप्रेस-वे नहीं बना है। जो एक्सप्रेसवे बने भी हैं, वे विकसित भारत की गुणवत्ता के अनुरूप नहीं हैं। उन्होंने भ्रष्टाचार पर भी सवाल उठाया और अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर बन रहे एक्सप्रेसवे का नाम बदले जाने की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि यह बस कागजों पर ही बन रहा है। किसानों की आय दोगुनी करने के सरकारी वादे पर भी अखिलेश यादव ने प्रश्नचिह्न लगाया।

सीएम योगी बोले- प्रदेश ने खोए जमीन से जुड़े और जनजातीय समाज के नेता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश विधानमंडल के बजट सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को दिवंगत विधायकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने शोक जताते हुए सदन में कहा कि वर्तमान विधानसभा के सदस्य प्रोफेसर श्याम बिहारी लाल का निधन 2 जनवरी 2026 को 60 वर्ष की आयु में हो गया। वह दूसरी बार विधानसभा के लिए निर्वाचित हुए थे और फरीदपुर (बरेली) से भारतीय जनता पार्टी के विधायक थे। प्रोफेसर श्याम बिहारी लाल मिलनसार और जमीन से जुड़े जनप्रतिनिधि थे। शिक्षा जगत से उनका गहरा जुड़ाव रहा। वह इतिहास संकलन समिति, बरेली के अध्यक्ष तथा जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की कार्यसमिति के सदस्य भी रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रोफेसर श्याम बिहारी लाल ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में बुनियादी विकास कार्यों को गति दी और पिछड़े, वंचित व गरीब वर्ग के कल्याण के लिए निरंतर काम किया। शिक्षा जगत से जुड़े विद्वान जब जनप्रतिनिधि बनते हैं तो वह लोकतांत्रिक परंपराओं को सशक्त करते हैं। उनके निधन से प्रदेश और भारतीय जनता पार्टी को अपूर्णनीय क्षति हुई है।

मुख्यमंत्री ने वर्तमान विधानसभा के वरिष्ठ सदस्य विजय सिंह गौड़ के निधन पर भी शोक व्यक्त किया। उन्होंने सदन को बताया कि समाजवादी पार्टी से विधायक विजय सिंह का निधन 8 जनवरी 2026 को 71 वर्ष की आयु में हो गया था। वह आठवीं बार विधानसभा सदस्य निर्वाचित हुए थे। वर्ष 1980 से उनका राजनीतिक सफर शुरू हुआ था। उन्होंने सर्वप्रथम वर्ष 1980, फिर 1985, 1989, 1991, 1993, 1996, 2002 में चुनाव जीता था। वर्ष 2024 के उप चुनाव में वह दुद्धी विधानसभा से निर्वाचित हुए थे। वह जनजातीय समाज की सशक्त आवाज के रूप में जाने जाते थे।

लोकसभा में थरूर ने सरकार को घेरा, कई मुद्दे उठाए

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र में जारी गतिरोध खत्म हो गया है। जिसके बाद कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने लोकसभा में बजट पर चर्चा की बहस में हिस्सा लिया। इस दौरान शशि थरूर में सरकारी खर्च में कमी और कर राजस्व संग्रह में ठहराव की भी आलोचना की। उन्होंने केंद्रीय बजट को निराशाजनक बताया।

लंबे गतिरोध के बाद लोकसभा में दोपहर दो बजे कामकाज शुरू हुआ। आम बजट 2026 पर चर्चा के दौरान केरल की तिरुवनंतपुरम लोकसभा सीट से निर्वाचित कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भाग लिया। उन्होंने पीएम किसान सम्मान निधि के तहत किसानों को दी जाने वाली आर्थिक मदद का मुद्दा उठाया और कहा कि सरकार को दो हजार की राशि बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने मनरेगा को बदलकर बनाए गए वीबी जी राम जी कानून का मुद्दा भी उठाया। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने बजट पर चर्चा के दौरान सरकार के काम के आंकड़े सामने रखे। उन्होंने कई योजनाओं के बारे में बताते हुए कहा कि सरकार सिर्फ हेडलाइन मैनेज करती है, असलियत कुछ और है। थरूर ने मांग करते हुए कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने का वादा आपसे (सरकार) पूरा नहीं हुआ। किसान सम्मान निधि बढ़ानी चाहिए। इससे पहले संसद के बाहर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफविपक्षी पार्टियों के अविश्वास प्रस्ताव लाने पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि पार्टी ने जो भी करने को कहा है, पार्टी ने करने का फैसला किया है। जाहिर है, पार्टी के सदस्य के तौर पर मैं पार्टी का समर्थन करता हूं।

इंडिया-यूएस डील पर खरगे का हमला

कहा- व्यापार समझौता राष्ट्रीय हितों की बलि

दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला। खरगे ने इसे भारत के रणनीतिक राष्ट्रीय हितों की बलि बताते हुए इसे विश्वासघात और पारदर्शिता से मढ़ी हुई हार करार दिया। उन्होंने दावा किया कि इस समझौते के छिपे हुए प्रिंट ने यह स्पष्ट कर दिया है कि प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के राष्ट्रीय हितों को गिरवी रख दिया है।

खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए कहा भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का असली सच अब धीरे-धीरे सामने आ रहा है। यह समझौता भारत के राष्ट्रीय हितों की बलि देने वाला है। खरगे ने कहा कि इस समझौते में भारत को रूसी तेल पर प्रतिबंध लगाने के लिए मजबूर किया गया है, जो देश की सामरिक स्वतंत्रता पर हमला है। उन्होंने कहा हमें बताया गया था कि भारत-अमेरिका संयुक्त बयान में रूसी तेल पर कोई टिप्पणी नहीं की गई थी, लेकिन व्हाइट हाउस के फैक्ट शीट में साफ लिखा है कि भारत को रूसी तेल खरीदना बंद करना होगा। खरगे ने इस समझौते पर सवाल उठाते हुए पूछा क्या यह जीत है या एक पीआर में लिपटा हुआ विश्वासघात है।

शिवकुमार बोले- मेरे पास 136 का आंकड़ा, राजनीतिक चर्चा तेज

दिल्ली। पहुंचने के बाद डिप्टी सीएम शिवकुमार ने अपने समर्थक विधायकों के आंकड़े मीडिया को बता दिए। उनके दिल्ली पहुंचने पर जब मीडिया ने कांग्रेस विधायक इकबाल हुसैन के 80 से 90 विधायकों के समर्थन के दावे पर सवाल पूछा तो उन्होंने कहा कि मेरे पास 136 का आंकड़ा है। ऐसे में डिप्टी सीएम के बयान से सियासी हलचल तेज होना लाजमी है।

पिछले हफ्ते यतींद्र सिद्धारमैया ने कहा था कि कांग्रेस हाई कमान ने सिद्धारमैया को पूरे कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री बने रहने की हरी झंडी दे दी है। वहीं यतींद्र के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए डीके शिवकुमार ने कहा कि ऐसे बयान पार्टी को नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने यह बयान दिल्ली में एक पार्टी बैठक के लिए रवाना होने से पहले दिया। उन्होंने कहा कि वे आगामी राज्य चुनावों पर एआईसीसी की बैठक में भाग लेने जा रहे हैं। शिवकुमार ने पत्रकारों से कहा, आज मेरी एआईसीसी में विभिन्न चुनावों से संबंधित राजनीतिक मामलों पर बैठक है, इसलिए मैं (दिल्ली) जा रहा हूं। एआईसीसी ने मुझे बुलाया है क्योंकि तारीखों की घोषणा होनी बाकी है। उन्होंने नेतृत्व परिवर्तन के कयासों पर कहा कि इसमें कोई भ्रम नहीं है। जब दूसरे लोग मेरे पक्ष में या किसी विधायक या मंत्री के खिलाफबयान देते हैं या राय देते हैं, तो इससे पार्टी को नुकसान होता है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सभी से इस पर बोलने से मना किया है। दिल्ली जाने से पहले मंगलवार को बंगलूरू में मीडिया से बात करते हुए शिवकुमार ने पार्टी के अंदर के असमंजस पर बात करते हुए कहा, दूसरे लोगों को असमंजस हो सकता है।

पुलिस की शातिर निक्की बग्गा से मुठभेड़

अमर भास्कर, ब्यूरो

आगरा। आगरा के फ्तेहपुर सीकरी थाना क्षेत्र में शातिर बदमाश निक्की बग्गा की उन्देरा नहर पुलिया पर मुठभेड़ हो गई। इस दौरान शातिर के पैर में गोली लगने से घायल हो गया।

पुलिस के मुताबिक सोमवार की रात प्रभारी निरीक्षक आनंद वीर सिंह के निर्देशन में उन्देरा नहर मार्ग पर पुलिस टीम की पेट्रोलिंग की जा रही थी। इस दौरान मार्ग से आ रहे वाहनों को जांच के लिए पुलिस ने वाहनों को रोके जाने पर एक वाहन चालक ने पुलिस को देख कर तुरन्त फायरिंग कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए फायरिंग की जिसमें एक व्यक्ति घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। जिसे पुलिस ने पकड़ कर पूछताछ की तो वह ग्राम सिकरौदा निवासी निक्की बग्गा पुत्र गुड्डू निकला।

उसके पास से एक देसी तमंचा और जिंदा कारतूस बरामद किया गया। पुलिस के बताए अनुसार निक्की बग्गा पर करीब दर्जन भर से अधिक लूट, चोरी और संगीन मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने यह भी बताया कि विगत दिनों वह इंदौर में चांदी लूट के मामले में जेल भी गया था। विगत 29 जनवरी को दूरा में भी एक युवक से मारपीट कर दी थी जिससे युवक घायल हो गया था। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि निक्की बग्गा एक मामले में वांछित है। मुठभेड़ में घायल शातिर निक्की बागा को स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां से उसे उपचार के लिए आगरा रेफर कर दिया।

महिला बंदी कारागार कासगंज का किया गया निरीक्षण

अमर भास्कर, ब्यूरो

कासगंज। राज्य महिला आयोग की सदस्या रेनू गोड़ द्वारा आज जनपद में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गंजडुण्डवारा एवं महिला बंदी कारागार कासगंज का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सदस्या ने संबंधित व्यवस्थाओं, उपलब्ध सुविधाओं तथा कार्यप्रणाली का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में स्वास्थ्य सेवाओं, साफ सफाई, दवाओं की उपलब्धता एवं मरीजों को दी जा रही सुविधाओं की समीक्षा की गई। सदस्या ने स्वयं सहायता समूह के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में मैस संचालित करने को कहा। सदस्या ने महिला बंदी कारागार पहुंच कर बंदी महिलाओं की सुविधाओं, भोजन, स्वच्छता एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। सदस्या ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी व्यवस्थाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित की जाएं तथा किसी भी प्रकार की कमी पाए जाने पर तत्काल सुधार किया जाये। निरीक्षण के दौरान संबन्धित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

थाने में शिकायत कर लौट रहे युवक पर जानलेवा हमला

अमर भास्कर, ब्यूरो

आगरा। आगरा के ट्रांस यमुना थाना क्षेत्र में थाने से शिकायत कर लौट रहे युवक पर करीब एक दर्जन से अधिक लोगों ने ईंट-पत्थरों से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित ने थाने में आरोपियों के खिलाफ नामजद तहरीर दी है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच में जुट गई है। मामला आगरा के ट्रांस यमुना थाना क्षेत्र के शंभु नगर निवासी राहुल सिंह पुत्र दलवीर सिंह ने पुलिस को बताया कि सोमवार करीब शाम को

आठ बजे उसका भाई सचिन और एक दोस्त अनुज तीनों लोग थाने मे आधार कार्ड की कॉपी जमा करने आये थे, और थाने से निकलने के बाद उसकी गाडी पर करीब 15 लोगों ने ईट-पत्थर से हमला कर दिया जिससे उसके भाई अनुज और पीड़ित राहुल को गम्भीर चोटें आई हैं उसने बताया कि आरोपियों ने उसकी गाडी को भी तोड दिया और जान से मारने की धमकी देकर भाग गये। पीड़ित पुलिस को यह भी बताया कि इस हमले में मन्जीत सिसोदिया उर्फबॉस, सिब्बू ठाकुर, मनीष यादव, हरदेव ठाकुर, मोहित सविता, रुद्र यादव और कुछ अज्ञात लोग शामिल थे। पीड़ित राहुल ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है, आरोपियों की तलाश जारी है और जल्द ही गिरफ्तारी की जाएगी। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बनने से पुलिस ने कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए गश्त बढ़ा दी है।

मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया

अमर भास्कर, ब्यूरो

कासगंज। एक वर्ष से 19 वर्ष तक के सभी बच्चों को, सरकारी एवं निजी विद्यालयों तथा समस्त आंगनबाड़ी केंद्रों परकृकृमि नाशक दवा एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई गई।

जनपद कासगंज में इस अभियान के अंतर्गत कुल 8,35,9०1 बच्चों को दवा खिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। शुभारंभ अवसर पर डॉ. राजीव अग्रवाल (मुख्य चिकित्सा अधिकारी), सूर्य प्रताप सिंह (जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी), के.पी. सिंह (जिला कम्युनिटी प्रोसेस मैनेजर), डॉ. एएन. चौहान (अधीक्षक) एवं बीसीपीए अरविंद कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सार-संक्षेप

महिला के शव का एआई की मदद से शिनाख्त कर घटना का किया खुलासा

अमर भास्कर, ब्यूरो

आगरा। आगरा के थाना खंदौली क्षेत्र के एक्सप्रेस वे पर कम्बल में लिपटी मिली अज्ञात महिला के शव की एआई के फोटो बनवाकर पुलिस ने सोशल मीडिया के माध्यम से शिनाख्त कराई गई। अखबार में प्रकाशित खबर में अपनी मृतक बहन की फोटो को देखकर उसकी बहिन ने पहचान की। और खंदौली थाने में बताया कि आरोपी शनि व उसकी मां और प्रदीप ने उसकी बहन को षड्यंत्र रचकर उसकी हत्या कर शव को कंबल में लपेटकर खंदौली टोल प्लाजा के पास यमुना एक्सप्रेस के किनारे फेंक दिया। इस सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर ०9 फरवरी को थाना खंदौली पर मुकद्दमा पंजीकृत किया गया। उपरोक्त घटना में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस आयुक्त आगरा द्वारा पुलिस उपायुक्त पश्चिमी जोन को दिशा-निर्देश दिये। पुलिस उपायुक्त पश्चिमी जोन द्वारा अभियक्तों की गिरफ्तारी हेतु थाना खंदौली पर पुलिस टीमों का गठन किया गया। और 1० फरवरी को गठित पुलिस टीमों ने मुखबिर द्वारा प्राप्त सूचना पर व अन्य तकनीकी साधनों से घटना में संलिप्त तीनों अभियुक्तों को दिल्ली के गांव शालीमार बाग थाना शालीमार बाग जनपद उत्तर-पश्चिमी नई दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया।पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार अभियुक्तगण से पूछताछ में अभियुक्त शनि ने बताया उसके पिता पनवारी में सफाई कर्मचारी थे वही पर परिवार सहित रहते थे। वही पास में महिला (मृतका) रहती थी तब शनि की दोस्ती उसके साथ हो गयी थी। वर्ष 2०21 में महिला को अपने साथ लेकर दिल्ली आ गया था। करीव तीन साल तक वह महिला के साथ शालीमार बाग दिल्ली में किराये पर रहा व इसके बाद वह दोनों बुराडी में किराये पर रह रहे थे। अभियुक्त ने बताया कि उसकी मां भी प्रदीप नामक व्यक्ति के साथ रिलेशनशिप में रह रही थी।अभियुक्त ने बताया कि वह होटलो में और अन्य जगह कस्टमर को लडकियां उपलब्ध कराता था।इसलिये अभियुक्त की दोस्ती एक अन्य महिला से हो गयी थी और उसे उस महिला का भी खर्च उठाना पड़ रहा था इसलिए वह पैसो की तंगी के कारण महिला (मृतका) से भी गलत काम करवाने के लिये दबाव वना रहा था। लेकिन इस काम के लिये वह राजी नही थी और मृतका को शनि की दोस्ती अन्य महिला से होने की भी जानकारी हो गयी थी। जिस कारण उनके बीच अक्सर झगडा होने लगा था। यह बात अभियुक्त ने अपनी मां व प्रदीप को बतायी। 4फरवरी को मृतका महिला व अभियुक्त शनि के बीच झगड़ा होने लगा जिस कारण अभियुक्त ने आवेश में आकर महिला की रस्सी से गला दबाकर हत्या कर दी।

जब महिला की हत्या की जानकारी अभियुक्त शनि की मां व प्रदीप को हुई तो उन्होनें षड्यंत्र रचकर महिला के शव को ठिकाने लगाने की योजना बनाकर शव को फेंकने के लिए कम्बल में लपेट कर काला टेप चारो तरफसे लगा कर पैक किया और अपने दोस्त के पास गया और उसकी थार गाडी को लेकर आया और 4 फरवरी की रात में ही महिला के शव को गाडी में रखकर यमुना एक्सप्रेसवे पर खन्दौली टोल पार करके करीव 2 किमी चलने पर सुनसान स्थान पर कार को सडक किनारे लगा कर तीनो ने मिलकर महिला की लाश को सडक किनारे बनी सीमेन्ट की नाली में ०5 फरवरी की सुबह को फेंक दिया और दिल्ली अपने घर वापस चले गये। पुलिस ने हत्या में शामिल महिला सहित तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर घटना का सफल आवरण किया।

अपर जिला जज की अध्यक्षता में वृहद विधिक शिविर के सम्बन्ध में बैठक सम्पन्न

अमर भास्कर, ब्यूरो

आगरा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली व उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के दिशानिर्देश पर जनपद न्यायाधीश, अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संजय कुमार मलिक के मार्गदर्शन में 22 फरवरी को वृहद विधिक साक्षारता, सेवा शिविर (मेगा शिविर) का आयोजन आगरा में किया जा रहा है। जिसके परिप्रेक्ष में सोमवार को दीवानी परिसर में स्थित नवीन सभागार कक्ष में अमरजीत, अपर जिला जज,आगरा की अध्यक्षता में बैठक की गई। बैठक का संचालन विनीता सिंह-1, सचिव (पूर्णकालिक), जिला विधिक सेवा

प्राधिकरण, के द्वारा किया गया। बैठक में उपस्थित अधिकारीगण से आयोजित होने वाले शिविर के सफल आयोजन हेतु पात्र व्यक्तियों का पंजीयन एवं कार्यक्रम में आए हुए व्यक्तियों को लाभ दिए जाने के बारे में विचार विमर्श किया गया। साथ ही उपस्थित अधिकारीगण को निर्देशित किया कि पात्र व्यक्तियों को कल्याणकारी योजना का लाभ त्वरित प्रदान किया जाए। सचिव द्वारा बताया गया कि शिविर का उद्देश्य विभिन्न विभागों में चल रही समाज के निर्बल वर्ग, दिव्यांग बच्चों, स्त्रियो, निर्धन वर्ग और असंगठित क्षेत्र के श्रमिक आदि से संबंधित जनकल्याणकारी योजनाएं का त्वरित एवं सुलभ लाभ प्रदान करना है।

उक्त के संबंध में शिविर के साथ साथ प्री मेगा शिविर का भी आयोजन किया जाएगा,जिसमें आम जनमानस शिविर में उपस्थित होकर अपना पंजीयनध्रजिस्ट्रेशन करा सकते है। रजिस्ट्रेशन पश्चात त्वरित योजना का लाभ भी प्राप्त कर सकते है। बैठक में दिव्यानंद द्विवेदी, अपर जिला जज, मत्युंजय श्रीवास्तव, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, की समाज कल्याण अधिकारी, दिव्यांग अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकार, लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर, केनरा बैंक, प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी तथा उद्यान विभाग, खाद्य आपूर्ति विभाग, खाद्य प्रसंस्करण विभाग, अपर नगर आयुक्त, (डूडा), अतिरिक्त ऊर्जा विभाग, मत्स्य विभाग, अल्पसंख्यक विभाग, कृषि विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पुलिस ने छापा मार 6 जुआरी पकड़े

अमर भास्कर, ब्यूरो

आगर। आगरा के कस्बा एत्मादपुर में पुलिस ने जुआ के फड़ पर जुआ खेलते हुए छह लोगों को गिरफ्तार किया है। मुखबिर की सूचना पर कस्बे के मोहल्ला सट्टा जाटवान में थाना प्रभारी आलोक कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके से एत्मादपुर के निवासी पंकज, छोटू, संजय, गोविंद, योगेश और राहुल नामक छह युवकों को पकड़ा। पुलिस ने जुआ स्थल से 3०43 रुपये नकद और ताश के पत्ते बरामद किए। पुलिस नेवआरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट की धारा में मुकदमा पंजीकृत किया है।

जिलाधिकारी के नेतृत्व में कार्यशाला का आयोजन

अमर भास्कर, ब्यूरो

कासगंज। जिलाधिकारी प्रणय सिंह के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट सभागार में सेफर इंटरनेट डे के अवसर पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला सूचना विज्ञान अधिकारी सागर गौड़ ने उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग के प्रति जागरूक किया। उन्होंने विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते प्रभाव पर चर्चा करते हुए बताया कि जहाँ शिक्षा और कार्यक्षमता बढ़ाने में सहायक है, वहीं इसके जरिए फैल रहे डीप-फेक और डेटा प्राइवेसी जैसे खतरों से सावधान रहने की भी

आवश्यकता है, उन्होंने जोर दिया कि किसी भी। टूल का उपयोग करते समय अपनी व्यक्तिगत और संवेदनशील जानकारी साझा न करें।

वित्तीय सुरक्षा पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि इंटरनेट बैंकिंग का उपयोग करते समय हमेशा बैंक की आधिकारिक वेबसाइट और सुरक्षित नेटवर्क का ही प्रयोग करें, सार्वजनिक वाई-फाई से वित्तीय लेनदेन करने से बचें और अपने पासवर्ड व पिन को समय-समय पर बदलते रहें।

आगरा में यातायात व्यवस्था के संबंध में मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न

अमर भास्कर, ब्यूरो

आगरा। जनपद आगरा में यातायात की सुगम व्यवस्था बनाए जाने के संबंध में मण्डल आयुक्त नगेन्द्र प्रताप की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई।परियोजना निदेशक, उ.प्र मैट्रो रेल कॉरपोरेशन आगरा द्वारा बताया गया कि माल रोड एवं एमजी रोड पर आगरा कॉलेज तक लगभग कार्य पूर्ण हो चुका है। निर्देश दिए गये कि यातायात को नियंत्रित किये जाने हेतु जगह- जगह मार्शल की तैनाती की जाए तथा 2० मार्शल यातायात पुलिस को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। मेट्रो विभाग द्वारा जहाँ-जहाँ बैरीकेटिंग को खोल दिया गया है, वहाँ सड़क मरम्मतीकरण एवं क्षतिग्रस्त किये गये फुटपाथ को बनाये जाने हेतु कार्ययोजना तैयार कर प्रस्तुत करें कि कार्य प्रारम्भ कर कब तक पूर्ण कर लिया जायेगा। साथ ही आवश्यकतानुसार रूट डायवर्जन के साइनेज लगवायें।नगर आयुक्त, नगर निगम, आगरा द्वारा बताया गया कि मेट्रो आगरा द्वारा कई स्थानों पर जहाँ अभी कार्य प्रारम्भ नहीं किया गया है, पर भी बेरीकेटिंग कर दिया गया है। निर्देश दिए गये कि जहाँ पर कार्य अभी प्रारम्भ नहीं किया गया है,वहाँ पर बैरीकेटिंग को आवश्यकता के अनुसार कम अथवा हटवा दिया जाये। एमजी रोड पर 144 पेड़ों के पातन की अनुमति उच्चतम न्यायालय से प्राप्त न होने के कारण मेट्रो कार्य बाधित हो रहा है। परियोजना निदेशक को निर्देश दिए गये कि उच्चतम न्यायालय में पेड़ों के पातन की प्रभावी पैरवी कर अनुमति प्राप्त करना सुनिश्चित करें। सम्भागीय परिवहन अधिकारी, परियोजना निदेशक, मैट्रो रेल कॉरपोरेशन लिव, एवं क्षेत्रीय प्रबन्धक, राज्य सड़क परिवहन निगम, को

निर्देशित किया गया कि अबूलाला दरगाह पर बस ले- बाई बनाये जाने हेतु संयुक्त रूप से निरीक्षण कर स्थल चिन्हित कर,अवगत करायें। कुबेरपुर पर कतिपय व्यक्तियों द्वारा निजी बस अड्डा संचालित किया जा रहा है। सम्भागीय परिवहन अधिकारी, को निर्देश दिए गये कि निजी बस अड्डा संचालित किए जाने के संबंध में जाँच कर पत्रावली पर आख्या दें। क्षेत्रीय प्रबन्धक, राज्य सड़क परिवहन निगम, को निर्देश दिए गये कि कुबेरपुर पर बस अड्डा संचालित किए जाने हेतु कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। यमुना एक्सप्रेस-वे, राष्ट्रीय राजमार्ग एवं इनर रिंग रोड पर अन्य जनपदों (यथा-ग्वालियर, भरतपुर, हाथरस,धौलपुर आदि) की ओर जाने हेतु साइनेज लगाये जाने के संबंध में गत बैठक में लिये गये निर्णयों हेतु एक बैठक संबंधित विभागों के साथ निर्धारित की जाए। प्रतिनिधि, इनफ्राटेक, मद्वारा बताया गया कि एक्सप्रेस- वे वाहन स्वामियों से किलोमीटर के आधार पर टोल टैक्स लिये जाने की कार्यवाही गतिमान है। निर्देश दिए गये कि इस संबंध में अब तक की गयी कार्यवाही से अवगत कराया जाये। अपर पुलिस आयुक्त, एवं परियोजना निदेशक, उ.प्र मैट्रो रेल कॉरपोरेशन लिया आगरा को यातायात को नियंत्रित किये जाने हेतु लगाये गये कार्मिकों की सूची उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिए गये।

वन विभाग के चार दरोगाओं ने महिला से किया सामूहिक दुष्कर्म

अमर भास्कर, संवाददाता

बदायूं। जनपद के सहसवान रेंज में तैनात चार वन दरोगाओं पर महिला से सामूहिक दुष्कर्म के आरोप में उझानी पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज की है। सहसवान के ही एक गांव की महिला ने 10 जनवरी की वारदात बताकर एफआईआर लिखाने के लिए कोर्ट का सहारा लिया था।

महिला का कहना है कि दस जनवरी की दोपहर वह दवा लेने के लिए सहसवान से बदायूं आने के लिए घर से निकली थी। उझानी के अकराबाद चौराहे पर वाहन का इंतजार करते समय एक कार रुकी। उसमें बैठे एक व्यक्ति ने बदायूं चलने की आवाज लगाई। वह उसमें बैठ गई। उसमें पहले से तीन और युवक थे। भैंसोर पुल पार करने के बाद कार कच्चे रास्ते पर झाड़ियों की ओर मोड़ दी। उन चारों ने तमंचे और चाकू दिखाकर दुष्कर्म किया। उसे तमंचे की बट से बुरी तरह पीटा, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। इसी बीच वहां से गुजर रहे दो व्यक्तियों के आने पर आरोपी धमकी देते हुए मौके से भाग गए।

महिला के मुताबिक इन युवकों में शाहजहांपुर के कांट थाना क्षेत्र के गांव पदेचा का सूरज मोहन, कांट इलाके का ही श्यामवीर, बदायूं का पुष्पेंद्र और बरेली के सुभाषनगर का देवेंद्र शामिल थे। वे वन विभाग की सहसवान रेंज में दरोगा के पद पर तैनात हैं। उझानी कोतवाली पहुंचने पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की तो वह कोर्ट गई। दुष्कर्म के आरोपी चारों वन दरोगाओं की पांच माह पहले ही सहसवान रेंज में तैनाती हुई है। क्षेत्र के लोगों के मुताबिक चारों आरोपी सूरज मोहन, श्यामवीर, देवेंद्र और पुष्पेंद्र एक कार से साथ घूमते हैं। दुष्कर्म की घटना के वक्त भी यही कार बताई गई है। इसलिए यह कार पहले से क्षेत्र में चर्चा में बनी हुई थी।

सोमवार को जब इन पर रिपोर्ट दर्ज होने की बात विभाग के अधिकारियों के सामने आई तो वे हतप्रभ रह गए। हालांकि, अधिकारी फिलहाल दरोगाओं का बचाव करते नजर आए। अधिकारियों का कहना है कि महिला के परिवार में लकड़ी के अवैध कारोबार से जुड़े लोग हैं। इसे लेकर उनका पहले इन आरोपियों से विवाद भी हुआ था। उधर, पीड़िता का आरोप है कि घटना के बाद जब वह उझानी कोतवाली पहुंची तो पुलिस ने टाल-मटोल करते हुए रिपोर्ट दर्ज नहीं की। इसके बाद पीड़िता ने जिला अस्पताल में अपना इलाज कराया और एसएसपी से न्याय की गुहार लगाई। लेकिन, रिपोर्ट दर्ज नहीं हो सकी। परेशान होकर महिला ने कोर्ट का सहारा लिया। कोर्ट के आदेश के बाद रविवार को उझानी पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोर्ट के आदेश पर मामला दर्ज किया गया है। प्रार्थनापत्र में किसी का कोई पद नहीं खोला गया था, केवल उनके नाम लिखे थे। यह पता नहीं कि आरोपी किस पद पर कहां तैनात हैं। विवेचना में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसी के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। - **डॉ. देवेंद्र कुमार, सीओ उझानी**

अनियंत्रित पिकअप ने बिजली पोल को मारी टक्कर, बड़ा हादसा टला

अमर भास्कर, संवाददाता

कादरचौक। थाना कादरचौक क्षेत्र के ग्राम सिमर्रा लभारी में मंगलवार को एक तेज रफ्तार अनियंत्रित पिकअप वाहन ने बिजली के पोल को टक्कर मार दी। गनीमत रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पिकअप वाहन तेज गति से आ रहा था और अचानक नियंत्रण खो बैठा, जिससे वह बिजली के पोल से जा टकराया। संयोगवश घटना के समय विद्युत विभाग के कर्मचारी मौके पर मौजूद थे, जिससे स्थिति और गंभीर होने से बच गई।

हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। ग्रामीणों ने चालक को पकड़ लिया, जिसको लेकर कुछ देर तक कहासुनी भी हुई। बाद में चालक को छोड़ दिया गया, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई न होने से ग्रामीणों में नाराजगी देखी गई। इस संबंध में कादरचौक के अवर अभियंता (जेई) नासिर हुसैन ने बताया कि वे उस समय विभागीय कार्य से बाहर थे, लेकिन सूचना मिलते ही कर्मचारियों को मौके पर भेजा गया। उन्होंने कहा कि पुलिस को सूचना दे दी गई है और चालक के विरुद्ध कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी लापरवाही न हो। ग्रामीणों का कहना है कि यदि उस समय करंट चालू होता, तो जान-माल का भारी नुकसान हो सकता था।

सार-संक्षेप

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बदायूं। राजकीय महिला महाविद्यालय बदायूं में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शिविर के अंतर्गत होपयूनिटी हेल्पिंग वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत 100 दिवसीय अभियान के तहत एक जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला प्रोबेशन अधिकारी, महिला कल्याण विभाग बदायूं के दिशा-निर्देशन में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के दौरान होपयूनिटी हेल्पिंग वेलफेयर फाउंडेशन की निदेशक डॉ. कृष्णा सिंह ने छात्राओं को बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के दुष्परिणामों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि बाल विवाह बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं शैक्षिक विकास में गंभीर बाधा उत्पन्न करता है, जिससे न केवल उनका भविष्य प्रभावित होता है बल्कि समाज के समग्र विकास पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

महिला कल्याण विभाग की जिला समन्वयक छवि वैश्य ने छात्राओं को गुड टच और बैड टच के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी और उन्हें सजग व जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। वहीं महिला कल्याण विभाग बदायूं की प्रीति चौहान ने बच्चों को सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी प्रदान की, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल सहायता प्राप्त की जा सके। इस अवसर पर उपस्थित छात्राओं को बाल विवाह न करने तथा इसके विरुद्ध समाज में जागरूकता फैलाने की शपथ दिलाई गई। वक्ताओं ने सभी से आह्वान किया कि बाल विवाह मुक्त समाज के निर्माण हेतु प्रत्येक नागरिक की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के एनएसएस प्रभारी डॉ. ऋषभ भारद्वाज सहित अन्य प्राध्यापकों का सहयोग रहा। कार्यक्रम में एनएसएस स्वयंसेवक एवं बड़ी संख्या में छात्राओं की सक्रिय सहभागिता रही।

24 फरवरी को होगी जिला पंचायत की बोर्ड बैठक

बदायूं। अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला पंचायत, बदायूँ की बोर्ड बैठक 24 फरवरी 2026 को समय 11.25 बजे पूर्वान्ह में जिला पंचायत कार्यालय बदायूँ सभागार में मा० अध्यक्ष, जिला पंचायत, बदायूँ की अध्यक्षता में आहूत की गयी है। उन्होंने अनुरोध किया है कि सभी सम्बंधित प्रतिभागी निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर बैठक में स्वयं प्रतिभाग करें। उन्होंने कहा कि शासनादेश सं० 2101/33-2-2006-72 जी /2006 दिनांक 15 सितम्बर, 2006 के कम में अवगत कराना है कि जिला पंचायत की बैठक में किसी भी मा० निर्वाचित सदस्य एवं पदेन सदस्य का प्रतिनिधि किसी भी दशा में भाग लेने के लिये मान्य नही है।

11 व 12 को होगा हज यात्रियों का आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण एवं टीकाकरण

बदायूं। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी प्रवाल कुमार पाठक ने जानकारी दी है कि हज कमेटी ऑफइंडिया, मुंबई द्वारा हज टीकाकरण कार्यक्रम शीघ्र कराये जाने के निर्देश प्राप्त हुए हैं। उन्होंने इसके क्रम में जनपद के समस्त हज यात्रियों को सूचित किया है कि जिला महिला चिकित्सालय, बदायूँ स्थित अचल केन्द्र में हज यात्रियों का आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण एवं टीकाकरण दिनांक 11 व 12 फरवरी 2026 को प्रातः 11:00 बजे से सायं 04:00 बजे तक किया जाएगा। उन्होंने सभी हज जाने वाले यात्रियों से अपील की है कि वह निर्धारित तिथि, स्थान एवं समय पर पहुँच कर टीकाकरण अवश्य करायें। हज-2026 की यात्रा पर जाने वाले तीर्थयात्री अपने साथ आधार कार्ड, पासपोर्ट, पासपोर्ट साइज फोटो, हज आवेदन-पत्र, कोविड-19 वैक्सीनेशन कार्ड/पासपोर्ट की छायाप्रति अपने साथ अवश्य लायें।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का हुआ शुभारम्भ

बदायूं। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का शुभारम्भ डॉ० रामेश्वर मिश्रा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं प्रधानाचार्या, एच.पी. इन्टरनेशनल स्कूल बदायूं द्वारा एल्बेन्डाजॉल टेबलेट (पेट के कीड़े की दवाई) खिलाकर किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि कृमि संक्रमण से बच्चों, किशोर व किशोरियों में कुपोषण एवं खून में कमी होती है, जिसके कारण हमेशा थकावट रहती है। सम्पूर्ण शारीरिक और मानसिक विकास नहीं हो पाता। यह दवा वर्ष में 02 बार 01-19 वर्ष की आयु के सभी बच्चों किशोर किशोरियों को खानी चाहिए। डॉ० असलम जिला प्रतिरक्षण अधिकारी द्वारा बताया गया।

जागरूकता अभियान के तहत रैली व गोष्ठी का आयोजन

अमर भास्कर, संवाददाता

वजीरगंज। स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान के अंतर्गत ग्राम सोई में महात्मा गांधी की पुण्य तिथि के अवसर पर पीएमडब्लू विमल वार्ष्णेय के नेतृत्व में जागरूकता रैली निकालकर गोष्ठी का आयोजन किया गया।

गोष्ठी के दौरान बच्चों को विस्तार से बताया गया कि कुष्ठ रोगियों से भेदभाव न करें और समय पर इलाज कराना अत्यंत आवश्यक है। वक्ताओं ने बताया कि जितना अधिक समय तक व्यक्ति कुष्ठ रोग से पीड़ित रहता है, इलाज उतना ही कठिन हो जाता है और शरीर को अधिक नुकसान पहुँचता है।

उन्होंने बताया कि कुष्ठ रोग नाक और मुँह से निकलने वाली बूंदों के माध्यम से फैलता है, जो बात करने, छींकने या खांसने से बाहर आती हैं। हाथ-पैर में सुन्नपन, लाल रंग की तैलीय त्वचा जैसे लक्षणों की जानकारी देते हुए सभी से अपील की गई कि रोग की शीघ्र पहचान कर उपचार कराया जाए, ताकि भारत से कुष्ठ रोग को समाप्त किया जा सके। इस अवसर पर पीएमडब्लू विमल वार्ष्णेय सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

हिंदू सम्मेलन: एकता और राष्ट्रवाद का दिया गया संदेश

अमर भास्कर, संवाददाता

बगरैन। क्षेत्र के ग्राम बगरैन में आयोजित भव्य हिंदू सम्मेलन में समाज की एकता, सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण और राष्ट्रवाद का संदेश दिया गया। सम्मेलन में वक्ताओं ने समाज को संगठित रहने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता रविलाल सिंह ने की। मुख्य अतिथि के रूप में कन्हैया दास जी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में योगी लहरीनाथ जी उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता विभाग प्रचारक सुधांशु जी ने अपने ओजस्वी संबोधन में कहा कि संगठन में ही शक्ति है, और जब समाज संगठित होता है, तभी राष्ट्र सुरक्षित और सशक्त बनता है।

उन्होंने युवाओं से अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करने और राष्ट्रहित में कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन प्रिंस देव शर्मा ने किया। इस अवसर पर जिला निरीक्षक संदीप मिश्रा, मंडल अध्यक्ष रितेश सिंह, मुकेश शर्मा, दीनदयाल, अनुजकांत शर्मा, महेश गुप्ता, जितेंद्र गुप्ता, नवनीत सुमन, ऋषिपाल, राजीव सिंह, गजेन्द्र पाल, अंकित शर्मा, विक्रांत सक्सेना सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

अंत में अध्यक्ष द्वारा सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

बाबा इन्टरनेशनल स्कूल के छात्रों को खिलाई गई एल्बेंडाजॉल की टेबलेट

अमर भास्कर, ब्यूरो

बिल्सी। नगर के बाबा इन्टरनेशनल में आज दिनांक- 10-02-2026 को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस (नेशनल डीवॉर्मिंग डे) के अवसर पर कक्षा केजी से लेकर कक्षा- 12 तक के सभी विद्यार्थियों को एल्बेन्डाजॉल टेबलेट खिलाई गई द्य इस दिन का उद्देश्य बच्चों में कृमि संक्रमण को रोकना और इससे बचाव के प्रति जागरूकता फैलाना है। कृमि संक्रमण एक आम समस्या है जो बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण को प्रभावित करती है। यह संक्रमण मुख्य रूप से मिट्टी में पाए जाने वाले कृमियों के कारण होता है, जो बच्चों के पेट में पहुंचकर उनके स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाते हैं। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य बच्चों में कृमि संक्रमण को रोकना है और उन्हें स्वस्थ और पोषित रखना है।

इस अवसर पर विद्यालय डायरेक्टर अनुज वार्ष्णेय व विद्यालय निदेशिका साधना वार्ष्णेय ने बताया कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस की शुरुआत 2015 में की गयी थी और यह एक ही दिन में क्रियान्वित किये जाने वाले सबसे बड़े कार्यक्रमों में से एक है द्य यह दिवस भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की एक पहल है जिसका उद्देश्य देश के प्रत्येक बच्चे को कृमि मुक्त बनाना है हम सब सरकार की इस पहल का समर्थन करते हैं।

विद्यालय प्रधानाचार्या रूपा माहेश्वरी ने कहा कि इस दिन का उद्देश्य बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण में सुधार करना है और उन्हें एक स्वस्थ और समृद्ध जीवन जीने में मदद करना है। बच्चों का स्वास्थ्य हमारे समाज के भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण है स्वस्थ बच्चे ही समाज को स्वस्थ और समृद्ध बना सकते हैं इसलिए सभी को पौष्टिक आहार, नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना चाहिए। इस अवसर पर विद्यालय प्रशासक अमित माहेश्वरी तथा समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

जे.एस. पीजी कॉलेज में मतदाता जागरूकता शिविर

अमर भास्कर, संवाददाता

बदायूं। जे.एस. (पी.जी.) कॉलेज बदायूं में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के अंतर्गत दिनांक 10 फरवरी 2026 को प्रथम एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का विषय मतदाता जागरूकता अभियान रहा, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों को लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज प्रबंधक नरेंद्र कुमार, प्राचार्य डॉ. निशि अवस्थी, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी छविराम सिंह तथा समस्त शिक्षकगणों द्वारा माँ शारदे एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्प अर्पण कर किया गया। इसके पश्चात कॉलेज के उपप्राचार्य राहुल कुमार ने राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों एवं मतदाता जागरूकता अभियान के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए स्वयंसेवकों एवं सेविकाओं को मतदान के प्रति सजग एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज प्राचार्य डॉ. निशि अवस्थी ने की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती मतदान में निहित है और प्रत्येक नागरिक का मतदान में भाग लेना अत्यंत आवश्यक है। एनएसएस की दोनों इकाइयों ने अपने-अपने गोद लिए गए ग्राम उनौला एवं ग्राम झंडपुर में जाकर ग्रामीणों को मतदान की आवश्यकता एवं महत्व के बारे में जागरूक किया। इस दौरान 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के युवाओं को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने हेतु प्रेरित किया गया तथा वोटर फॉर्म भरने की प्रक्रिया को सरल रूप में समझाया गया। यह एक दिवसीय शिविर मतदाता जागरूकता के उद्देश्य को सफलतापूर्वक पूर्ण करने में सहायक सिद्ध हुआ। इस अवसर पर शिक्षकगण श्री अजय पाल सिंह, सनी शाक्य, बेबी तरन्नुम, सुधीर यादव, डॉ. अंशुमन गुप्ता, रितु दीक्षित, पूजा रानी, फिरदौस बी., डॉ. उत्पल मिश्रा, पूर्णिमा गौड़, सना खान, योगेंद्र कुमार, आकाश कुमार एवं कॉलेज मीडिया प्रभारी सुनील कुमार सहित अन्य शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आरएसएस के शताब्दी वर्ष पर सिलहरी में भव्य हिंदू सम्मेलन आयोजित

जिला प्रचारक भारत लाल जी ने माता अहिल्याबाई होल्कर के जीवन को आदर्श बताया

अमर भास्कर, ब्यूरो

बदायूं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में ग्राम सिलहरी में एक भव्य हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य मुमुक्ष कृष्ण महाराज, बृज प्रांत के प्रांत संघचालक शशांक भाटिया, जिला प्रचारक बदायूँ भारत लाल, ब्लॉक प्रमुख पति अनेक पाल सिंह तथा मातृशक्ति के रूप में प्रेमवती मौर्य द्वारा माँ भारती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन कर किया गया।

आचार्य मुमुक्ष कृष्ण महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि हिंदू समाज सदैव परहित और सेवा की भावना का प्रतीक रहा है। उन्होंने सभी हिंदुओं से सनातन परंपराओं के पालन एवं सामाजिक दायित्व निभाने का आह्वान किया।

जिला प्रचारक भारत लाल जी ने माता अहिल्याबाई होल्कर के जीवन को आदर्श बताते हुए कहा कि उनके चरित्र और कार्य आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता शशांक भाटिया ने कहा कि समस्त जातियाँ हिंदू हैं और सनातन परंपरा की अनुयायी हैं। उन्होंने कहा कि संघ ने 100 वर्षों की यात्रा आसान परिस्थितियों में नहीं की, बल्कि विपरीत हालातों में निरंतर कार्य करते हुए समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया है। इस परिवर्तन को स्थायी बनाए रखने के लिए समाज को सदैव जागरूक रहना होगा। कार्यक्रम में जिला कार्यवाह मून गुप्ता, खंड प्रचारक कपिल जी, खंड कार्यवाह रविंद्र सिंह, देश दीपक, सुरेश, भाजपा युवा नेता विश्वजीत गुप्ता, नगर मीडिया प्रभारी हिमांशु सक्सेना, सुरजीत गुप्ता, जिला प्रतिनिधि भाजपा पंकज शर्मा, प्रांत कार्यकारिणी सदस्य बाबूजी हर प्रसाद सिंह पटेल, सुखदेव, भाजपा जिला अध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता, शारतेंदु पाठक, जिला उपाध्यक्ष सुनील सिंह राठौड़, जुगेंद्र पाल सिंह, हिमांशु सिंह, अरविंदर सिंह, महावीर सिंह, नीरज रस्तोगी सहित विश्व हिंदू परिषद बदायूँ एवं ओम विराट हिंदू सम्मेलन समिति के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मातृशक्ति के रूप में सीमा राठौर, रचना शंखधार, तनुजा सक्सेना सहित अनेक बहनों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर कानून एवं शांति व्यवस्था हेतु अधिकारियों की तैनाती

अमर भास्कर, संवाददाता

बदायूं। जिला मजिस्ट्रेट अवनीश राय ने बताया कि इस वर्ष महाशिवरात्रि का पर्व 15 फरवरी 2026 को मनाया जाएगा। पर्व के अवसर पर धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप उपवास, पूजा-अर्चना तथा शोभायात्राओं का आयोजन किया जाता है। गंगा जल लाकर शिव मंदिरों में चढ़ाया जाता है, जिससे शहरी एवं ग्रामीण अंचलों के शिवालयों में भारी भीड़ की संभावना रहती है। उन्होंने बताया कि कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने, साम्प्रदायिक सद्भाव बनाए रखने तथा किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के दृष्टिगत जनपद बदायूं में विभिन्न शिवालयों एवं घाटों पर उप जिलाधिकारी, नायब तहसीलदार एवं अन्य अधिकारियों की तैनाती की गई है। सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में सतत निगरानी रखते हुए शासनादेशानुसार आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।

संपादकीय

जंगल, जमीन और जीवन का संघर्ष

झारखंड और भारत के आदिवासी- मूलनिवासी अंचलों की सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि यहाँ विकास की कहानी अक्सर संघर्ष की भाषा में लिखी जाती है- जंगल, जमीन और जीवन के उस त्रिकोण में, जहाँ से किसी एक को हटाइए तो पूरा संतुलन टूट जाता है। जंगल यहाँ केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं हैय वह स्मृति है, पहचान है, संस्कृति है और जीविका का जीवित आधार है। जमीन केवल भूखंड नहींय वह पीढ़ियों का इतिहास, सामूहिक स्वाभिमान और भविष्य का भरोसा है। और जीवन? वह इन दोनों के बिना अधूरा है। लेकिन आधुनिक विकास की दौड़ ने इस गहरे संबंध को बार-बार चुनौती दी है। खनिज संपदा से भरपूर क्षेत्रों में चमकते औद्योगिक नक्शों के पीछे अक्सर उजड़े हुए गाँवों का धुँधलका छिपा रहता है। बड़ी परियोजनाएँ राष्ट्रीय प्रगति के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत होती हैं, लेकिन जिन परिवारों की जमीन अधिग्रहित होती है, उनके लिए यह प्रगति विस्थापन, असुरक्षा और पहचान के क्षरण का दूसरा नाम बन जाती है। पुनर्वास की घोषणाएँ कागज पर प्रभावशाली दिखती हैं, पर जमीन पर वे अक्सर अधूरी संरचनाओं, टूटी उम्मीदों और अस्थायी राहत तक सिमट जाती हैं। मुआवजे की राशि जीवन का विकल्प नहीं बन सकती, क्योंकि पैसा मिट्टी की स्मृति, जंगल की आत्मीयता और सामुदायिक जीवन की सुरक्षा को प्रतिस्थापित नहीं कर सकता। सबसे गहरी चोट आर्थिक नहीं, सांस्कृतिक होती है जब कोई समाज अपनी जड़ों से काट दिया जाता है, तो उसके गीत, त्योहार, भाषाएँ और परंपराएँ भी धीरे-धीरे हाशिये पर चली जाती हैं। यही कारण है कि यह संघर्ष केवल भूमि-अधिग्रहण का प्रश्न नहीं हैय यह अस्तित्व और अस्मिता का प्रश्न है। विडंबना यह है कि जिन समुदायों ने सदियों तक जंगलों की रक्षा की, आज वही समुदाय विकास की परियोजनाओं के रास्ते में अवरोध की तरह चित्रित किए जाते हैं। जबकि सच्चाई उलट है पर्यावरणीय संकट से जूझती दुनिया में आदिवासी जीवन-दृष्टि टिकाऊ भविष्य का सबसे बड़ा पाठ पढ़ाती है। वे जंगल को उपभोग की वस्तु नहीं, सहजीवन के साथी की तरह देखते हैं। आधुनिक सभ्यता जिस संतुलन की तलाश में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भटक रही है, वह संतुलन इन समाजों ने अपने व्यवहार में पहले ही गढ़ रखा है। फिर भी नीति निर्माण की मेजों पर उनकी आवाज सबसे धीमी सुनाई देती है। वनाधिकार और स्थानीय स्वशासन से जुड़े कानून उम्मीद जगाते हैं, पर उनका अपूर्ण क्रियान्वयन अविश्वास की खाई को चौड़ा करता है। जब निर्णय समुदायों पर थोपे जाते हैं, तो संघर्ष अनिवार्य हो जाता हैय जब निर्णय समुदायों के साथ मिलकर लिए जाते हैं, तो विकास साझी जिम्मेदारी बन जाता है। यही वह बुनियादी फर्क है जिसे समझे बिना कोई भी नीति स्थायी नहीं हो सकती। विकास का असली अर्थ तब है जब वह स्थानीय लोगों को भागीदार बनाए, न कि दर्शक या पीड़ित। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और रोजगार की सुविधाएँ आवश्यक हैं, पर उनका स्वरूप ऐसा होना चाहिए जो प्रकृति और संस्कृति दोनों के साथ संवाद करे, टकराव नहीं। हमें ऐसी विकास-दृष्टि चाहिए जो जीडीपी से आगे जाकर मानवीय गरिमा, पर्यावरणीय न्याय और सांस्कृतिक विविधता को भी प्रगति का पैमाना माने। जंगल को बचाने का सबसे कारगर उपाय जंगलवासियों को सशक्त करना हैय जमीन को सुरक्षित रखने का रास्ता स्थानीय स्वामित्व को स्वीकार करना हैय और जीवन को सम्मान देने का अर्थ है कि नीति का केंद्र मनुष्य हो, केवल बाजार नहीं। जंगल, जमीन और जीवन का संघर्ष दरअसल हमारे समय का नैतिक प्रश्न है - क्या हम ऐसी सभ्यता गढ़ रहे हैं जो अपनी जड़ों को काटकर ऊँची इमारत बनाना चाहती है, या ऐसी जो जड़ों को सींचकर भविष्य रचती है? यदि विकास अपने ही लोगों को बेघर कर दे, प्रकृति को घायल कर दे और संस्कृति को मौन कर दे, तो वह प्रगति नहीं, पराजय है। अब भी समय है कि हम ठहरकर सोचेंरू संतुलन ही भविष्य है। बिना जंगल के धरती सूनी होगी, बिना जमीन के समाज बिखर जाएगा, और बिना जीवन के विकास केवल आँकड़ों का उत्सव बनकर रह जाएगा- चमकदार, लेकिन भीतर से खाली।

लेखकः
मिथलेश दास

ब्राह्मण-दलित-पिछड़ों को लड़ा बीजेपी से हारी...

उत्तर प्रदेश की राजनीति में हिन्दुत्व की लहर ने योगी सरकार और भारतीय जनता पार्टी को ऐसी मजबूत नींव दे दी है कि विपक्षी दल अब हताशा के दौर से गुजर रहे हैं। प्रदेश में भाजपा समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी जैसे दलों के मुकाबले अभेद्य किले की तरह खड़ी नजर आ रही है। हिन्दुत्व के सहारे ही भाजपा आगामी विधानसभा चुनाव में फिर से सत्ता की कमान संभालना चाहती है। लेकिन विपक्षी नेताओं ने अब एक सोची-समझी चाल चली है। वे हिन्दू समाज को ही आपस में बांटने की साजिश रच रहे हैं। हर उस मुद्दे को हवा दी जा रही है जो हिन्दुओं के बीच फूट डाल सके। कभी ब्राह्मणवाद के नाम पर आक्रोश भड़काया जाता है तो कभी दलितों और पिछड़ों पर अत्याचार के रोने से सियासी माहौल गरमाया जाता है। अपराधियों को भी अब जाति के चश्मे से देखा जाने लगा है। यह सब कुछ हिन्दू एकता को चूर करने की गहरी चाल है।

प्रदेश की सियासत को करीब से देखें तो साफ पता चलता है कि भाजपा ने हिंदुत्व को ऐसा हथियार बनाया है जो विपक्ष के सारे तीरों को विफल कर देता है। राम मंदिर निर्माण से लेकर गौ रक्षा तक हर मुद्दे पर हिन्दू समाज एकजुट हो गया। योगी आदित्यनाथ की सरकार ने कानून-व्यवस्था को पुख्ता कर अपराधियों पर नकेल कसी तो हिन्दू समाज में विश्वास जगा। लेकिन विपक्ष अब उसी समाज को तोड़ने पर तुला है। समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के नेता ब्राह्मणों को भाजपा विरोधी बताने की मुहिम चला रहे हैं। वे कहते हैं कि भाजपा में ब्राह्मणों की उपेक्षा हो रही है। पुरानी घटनाओं को उछालकर ब्राह्मण युवकों को भड़काया जा रहा है। एक तरफ ब्राह्मण सम्मेलनों में नारे लगवाए जाते हैं तो दूसरी तरफदलित सभाओं में ब्राह्मणों पर अत्याचार के किस्से गढ़े जाते हैं। यह दोहरी चाल हिन्दू समाज के दो बड़े वर्गों में वैमनस्य पैदा कर रही है।

दलित और पिछड़े वर्गों को भी निशाना बनाया जा रहा है। विपक्षी दल दावा करते हैं कि योगी सरकार में दलितों और पिछड़ों पर जुल्म हो रहे हैं। हर छोटी-मोटी घटना को जातिगत रंग देकर प्रचारित किया जाता है। उदाहरण के तौर पर कुछ महीने पहले एक घटना घटी जहां पुलिस ने अपराधी को पकड़ा। विपक्ष ने तुरंत चिल्लाना शुरू कर दिया कि वह दलित था और भाजपा सरकार ने उसे फंसाया। सच्चाई यह थी कि अपराधी ने कई हत्याएं की थीं लेकिन जाति का लबादा ओढ़ाकर उसे शहीद बनाने की कोशिश हुई। इसी तरह पिछड़े वर्ग के अपराधियों को भी संरक्षण देने की मुहिम चलाई गई। समाजवादी पार्टी के कुछ नेता खुले तौर पर कहते हैं कि अपराधी कोई भी हो, उसकी जाति को बचाना जरूरी है। इससे हिन्दू समाज में पिछड़ों और अन्य वर्गों के बीच खाई पैदा हो रही है।

कांग्रेस भी इस खेल में पीछे नहीं है। वह ब्राह्मण-दलित कार्ड खेल रही है। पार्टी के नेता पुरानी शिकायतें दोहराते हैं कि भाजपा सवर्णों की ही सरकार है। वे हिन्दू समाज को चार हिस्सों में बांटने की कोशिश कर रहे हैं। कभी जाट बनाम गुर्जर का मुद्दा उठता है तो कभी राजपूतों को ठाकुरों से लड़ाने की चेष्टा होती है। अपराध के मामलों को जाति से जोड़ना सबसे खतरनाक है। प्रदेश में अपराधी किसी भी जाति का हो सकता है लेकिन विपक्ष उसे जाति का चेहरा बना देता है। अगर अपराधी ब्राह्मण है तो ब्राह्मणवाद का ढोल पीटा जाता है। दलित अपराधी पर तो अत्याचार का रोना रोया जाता है। पिछड़ा अपराधी हो तो पिछड़ों की दुर्दशा का बखान किया जाता है। इससे समाज में नफरत का बीज बोया जा रहा है। हिन्दू समाज जो सदियों से एकजुट रहा, अब उसके टुकड़े करने की साजिश रची जा रही है।

यह साजिश नई नहीं है। विपक्ष हमेशा से जातिवाद का सहारा लेता रहा है। लेकिन अब यह हिंदुत्व के खिलाफसीधी जंग है। भाजपा ने हिन्दू समाज को जाति से ऊपर उठाकर एक सूत्र में बांधा है। योगी सरकार की योजनाएं सबके लिए हैं। दलितों के लिए विशेष छात्रावास, पिछड़ों के लिए आरक्षण में इजाफा और ब्राह्मणों के लिए संस्कृत विद्यालय। लेकिन विपक्ष इन तथ्यों को नजरअंदाज कर अफवाहें फैला रहा है। हाल ही में एक जिले में दलित युवक की मौत पर विपक्ष ने ब्राह्मणों पर आरोप लगाए। जांच में साफहुआ कि यह पारिवारिक झगड़ा था लेकिन सियासी फायदा उठाने के लिए जाति का जहर घोला गया। ऐसे कई उदाहरण हैं जहां अपराध को जातिगत संघर्ष का रूप दिया गया। लखनऊ से लेकर वाराणसी तक सभाओं में यही जहर परोसा जा रहा है। विपक्ष की यह चाल उल्टी पड़ रही है। हिन्दू समाज जागरूक हो गया है। सोशल मीडिया पर लोग इन साजिशों को बेनकाब कर रहे हैं। भाजपा कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर एकता का संदेश दे रहे हैं। योगी आदित्यनाथ ने कई बार खुलकर कहा है कि हिन्दू एकता ही प्रदेश की ताकत है। विपक्ष की जातिवादी राजनीति अब जनता को भाती नहीं। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी यही देखने को मिला। जहां विपक्ष ने जाति कार्ड खेला, वहां भाजपा ने हिन्दुत्व से जवाब दिया। अब 2027 के विधानसभा चुनाव में भी यही होगा।

लेखकः
संजय सक्सेना, लखनऊ।

शासन की नई क्लास जहां अफसर पढ़ते नहीं परखे जाते है

भारत की सर्वोच्च प्रशासनिक व्यवस्था, जिसे अब तक रहस्यमय फाइलों, लंबी बैठकों और धीमी प्रक्रियाओं का पर्याय माना जाता था, आज एक नए दौर में प्रवेश कर चुकी है। कैबिनेट सेक्रेटेरिएट द्वारा यूनियन सेक्रटरियों के लिए शुरू किया गया 'मार्क्स-बेस्ड पर फॉर्मेंस रिव्यू' न केवल एक प्रशासनिक प्रयोग है, बल्कि यह पूरी ब्यूरोक्रेसी की सोच और कार्यशैली को बदलने वाला कदम भी है। जिस तरह स्कूलों में छात्रों की योग्यता रिपोर्ट कार्ड से आंकी जाती है, उसी तरह अब देश के सबसे वरिष्ठ अधिकारियों का मूल्यांकन अंकों के आधार पर किया जा रहा है। यह व्यवस्था दक्षता बढ़ाने की कोशिश है या नियंत्रण का नया हथियार, यह सवाल आज हर प्रशासनिक गलियारे में गूंज रहा है। इस नई प्रणाली की बुनियाद तथ्यों, आंकड़ों और मापदंडों पर रखी गई है। कैबिनेट सेक्रेटरी द्वारा भेजे गए प्रशासनिक स्कोरकार्ड कुल सौ अंकों पर आधारित हैं, जिनमें एक दर्जन से अधिक पैरामीटर्स शामिल किए गए हैं। फाइल डिस्पोजल को सर्वाधिक महत्व दिया गया है (अधिकतम 20 अंक), जो प्रशासनिक गति का प्रतीक माना जाता है। इसके बाद आउटपुटध्यातिविधियां (15 अंक), योजनाओं पर खर्च (15 अंक), पूंजीगत व्यय (15 अंक), जनशिकायत निवारण, कैबिनेट नोट्स, प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग ग्रुप (पीएमजी) द्वारा मॉनिटर की जाने वाली परियोजनाओं की समयबद्ध पूर्ति, तथा पे एंड अकाउंट्स ऑफिस (पीएओ) और चीफ कंट्रोलर ऑफअकाउंट्स (सीसीए) द्वारा बिलों का समयबद्ध निपटारा जैसे तत्व जोड़े गए हैं। इसका स्पष्ट उद्देश्य यह है कि अब केवल प्रक्रियाओं पर नहीं, बल्कि परिणामों पर ध्यान केंद्रित किया जाए।

इस व्यवस्था का सबसे दिलचस्प पहलू नेगेटिव और डिस्क्रेशनरी मार्क्स का प्रावधान है। यदि कोई विभाग विदेशी यात्राओं या इवेंट्स पर अत्यधिक खर्च करता है, सेक्रेटरी स्तर या ऊपर की फाइलों में असामान्य लंबित रखता है या एमएसएमई को भुगतान में देरी करता है, तो उसके कुल 12 अंक काटे जा सकते हैं। वहीं, असाधारण कार्य या योगदान के लिए कैबिनेट सेक्रेटरी द्वारा 5 अतिरिक्त अंक दिए जा सकते हैं। यह व्यवस्था प्रशासनिक अनुशासन को मजबूत करने के साथ-साथ व्यक्तिगत जिम्मेदारी भी तय करती है। पहले जहां गलतियों पर अक्सर पर्दा डाल दिया जाता था, अब हर चूक अंकतालिका में दर्ज होगी। इस तरह यह प्रणाली पारदर्शिता और जवाबदेही का नया ढांचा तैयार करती है। प्रशासनिक सुधार के दृष्टिकोण से यह कदम एक तरह की क्रांति कहा जा सकता है, जो 2024 में शुरू हुए मासिक डेमी-ऑफिशियल लेटर्स में मंत्रालय-विशिष्ट मात्रात्मक इंडिकेटर्स जोड़कर विकसित हुआ है। पारंपरिक ब्यूरोक्रेसी में प्रदर्शन मूल्यांकन अक्सर वरिष्ठों की व्यक्तिगत राय या वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट तक सीमित रहता था। उसमें वस्तुनिष्ठता का अभाव रहता था। अब आंकड़ों के आधार पर मूल्यांकन होने से निर्णय अधिक वैज्ञानिक और निष्पक्ष होंगे। फाइलों के तेजी से निपटारे से योजनाओं का क्रियान्वयन तेज होगा और विकास परियोजनाएं समय पर पूरी होंगी। यह प्रधानमंत्री की उस सोच के अनुरूप है, जिसमें देरी को विकास का सबसे बड़ा दुश्मन माना गया है।

मोटिवेशन के नजरिए से देखें तो यह स्कोरकार्ड प्रणाली एक दोधारी तलवार की तरह है। एक ओर, बेहतर अंक पाने की होड़ से अधिकारी अधिक सक्रिय, सतर्क और परिणामोन्मुख बनेंगे। उन्हें अपनी कमजोरियों को पहचानने और सुधारने का अवसर मिलेगा। दूसरी ओर, निरंतर मूल्यांकन का दबाव मानसिक थकान और तनाव भी बढ़ा सकता है। यदि कोई अधिकारी बार-बार कम अंक पाता है, तो उसका आत्मविश्वास कमजोर हो सकता है। स्कूल परीक्षाओं की तरह, यहां भी सफलता प्रेरणा बन सकती है और असफलता निराशा का कारण। संतुलन बनाए रखना इसलिए अत्यंत आवश्यक होगा।

इस व्यवस्था का राजनीतिक पक्ष भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। डिस्क्रेशनरी मार्क्स का अधिकार कैबिनेट सेक्रेटरी (वर्तमान में डॉ. टी वी सोमनाथन) के पास है, जो सीधे सरकार के अधीन होते हैं। ऐसे में यह आशंका स्वाभाविक है कि कहीं यह प्रणाली राजनीतिक प्राथमिकताओं को थोपने का माध्यम न बन जाए। यदि किसी विभाग का प्रदर्शन सरकार के एजेंडे से मेल नहीं खाता, तो उसे कम अंक मिलने का खतरा हो सकता है। इससे अधिकारी जोखिम लेने और नए प्रयोग करने से बच सकते हैं। नवाचार के लिए स्वतंत्रता जरूरी होती है, और अत्यधिक नियंत्रण उस स्वतंत्रता को सीमित कर सकता है।

लेखकः
रितेश कुमार जैन

खेल-खिलाड़ी

परिवार के साथ पीएम मोदी से मिले सचिन तेंदुलकर

दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने परिवार के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। सचिन के साथ इस दौरान पत्नी अंजलि, बेटे अर्जुन, बेटी सारा और अर्जुन की मंगेतर सानिया भी मौजूद थीं। मालूम हो कि अर्जुन और सानिया की शादी को लेकर कई दिनों से अटकलें चल रही थीं, लेकिन अब खुद सचिन ने इस खबर पर मुहर लगा दी है।

सचिन ने परिवार के साथ पीएम मोदी से मुलाकात की फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की। सचिन ने लिखा, हमें अर्जुन और सानिया के विवाह समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को आमंत्रित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस युवा जोड़े को आपके आशीर्वाद और विचारशील सलाह के लिए मोदी जी को धन्यवाद। सचिन ने इससे पहले कांग्रेस पार्टी के संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी से भी मुलाकात की थी। सचिन पत्नी अंजलि के साथ सोनिया गांधी के आवास 10 जनपथ पर मिले थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अर्जुन और सानिया की शादी के कार्यक्रम तीन मार्च से शुरू होगी और मुख्य सेरेमनी पांच मार्च को होगी।

अर्जुन की सगाई सानिया चंदोक के साथ हुई है। सानिया मुंबई के प्रसिद्ध व्यवसायी रवि घई की पोती हैं। घई परिवार हॉस्पिटेलिटी और खाद्य क्षेत्र में सुप्रसिद्ध है, जिसके पास इंटरकॉन्टिनेंटल होटल और आइसक्रीम ब्रांड ब्रूकलिन क्रीमरी का स्वामित्व है। अर्जुन और सानिया की सगाई एक निजी कार्यक्रम में हुई जिसमें करीबी दोस्त और दोनों परिवार के सदस्य शामिल हुए थे।

25 वर्षीय अर्जुन बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ऑलराउंडर हैं, जो घरेलू क्रिकेट में गोवा का प्रतिनिधित्व करते हैं और आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेल चुके हैं। आईपीएल 2026 के लिए हुई मिनी नीलामी से पहले लखनऊ सुपरजाएंट्स ने अर्जुन को मुंबई से ट्रेड किया था। उन्होंने 2020ध्21 सीजन में मुंबई के साथ अपने घरेलू करियर की शुरुआत की, जहां उन्होंने हरियाणा के खिलाफ एक टी20 मैच में पदार्पण किया। इससे पहले, उन्होंने जूनियर स्तर पर मुंबई का प्रतिनिधित्व किया और भारत की अंडर-19 टीम में जगह बनाई। 2022ध्23 घरेलू सीजन में वह गोवा चले गए, जहां उन्होंने प्रथम श्रेणी और लिस्ट ए में डेब्यू किया।

लालच में आकर पाकिस्तान ने आईसीसी के सामने टेके घुटने?

रॉची। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप का मुकाबला नहीं खेलने पर यू-टर्न ले लिया है। अब खबर सामने आ रही है कि पाकिस्तान ने अपने फायदे के लिए आईसीसी के सामने घुटने टेक दिए। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, आईसीसी ने भारत से खेलने पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को छूट देने का वादा किया था, लेकिन यह छूट क्या होगी इसकी जानकारी टी20 विश्व कप के खत्म होने के बाद ही सार्वजनिक की जाएगी।`

आईसीसी पहले ही यह घोषणा कर चुका है कि वह टी20 विश्व कप में नहीं खेलने के लिए बांग्लादेश

क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) पर किसी तरह की कार्रवाई नहीं करेगा। इसके अलावा बांग्लादेश को 2028-31 चक्र के बीच किसी आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी सौंपने की बात भी कही गई है। पाकिस्तान ने बांग्लादेश का समर्थन करने की बात कहकर भारत के खिलाफखेलने से मना किया था।

पीसीबी ने अपनी राष्ट्रीय टीम को इस बात की हरी झंडी भी दे दी है कि अगर भारत और पाकिस्तान की टीमें टी20 विश्व कप में ग्रुप चरण के अलावा भी खेलती हैं तो उनकी राष्ट्रीय टीम यह मैच खेलेगी। एक अन्य सूत्र ने बताया कि प्रधानमंत्री पीसीबी के संरक्षक भी हैं। उन्हें इस बात की जानकारी दी गई थी कि अगर सरकार भारत के खिलाफनहीं खेलने की अधिसूचना जारी करती है तो पाकिस्तान को क्या हासिल हो सकता है। सूत्र ने कहा, आईसीसी की अब नकवी के साथ स्पष्ट समझ बन चुकी है कि पीसीबी, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड और कुछ अन्य बोर्ड के साथ हुई चर्चाओं का कोई भी विवरण सार्वजनिक नहीं किया जाएगा।

इस बात की अटकलें भी लगाई जा रही थीं कि नकवी आईसीसी से मिलने वाले राजस्व में पीसीबी की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए दबाव बना रहे हैं। लेकिन एक अन्य अंदरूनी सूत्र ने स्पष्ट किया कि ऐसा केवल अगले वित्तीय चक्र के लिए आईसीसी बोर्ड की मंजूरी के बाद ही संभव होगा। सूत्र ने बताया कि चर्चाओं के दौरान नकवी ने यह बात रखी थी कि पाकिस्तान और भारत के बीच आईसीसी विश्व टेस्ट चौंपियनशिप के तहत तटस्थ स्थलों पर होम और अवे (मैच नहीं खेले जाने का कोई कारण नहीं है क्योंकि दोनों टीम अन्य आईसीसी सीमित ओवरों के टूर्नामेंट तो खेल ही रही हैं। हालांकि इसमें एक अड़चन भी है। विश्व टेस्ट चौंपियनशिप का फाइनल ही एकमात्र प्रत्यक्ष आईसीसी टूर्नामेंट है जबकि इसके लिए खेली जाने वाली बाकी सभी सीरीज द्विपक्षीय होती है जिनके लिए अंक दिए जाते हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एलान किया था कि उनकी राष्ट्रीय टीम टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफग्रुप चरण का मैच नहीं खेलेगी। पाकिस्तान ने यह फैसला बांग्लादेश को टी20 विश्व कप से बाहर किए जाने के फैसले के खिलाफलिया था।फैसला लेने के बावजूद पर्दे के पीछे से बातचीत चलती रही।

अमर भास्कर
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
- वरिष्ठ संरक्षक : वेदभानु आर्य
- संरक्षक : हामिद अली खाँ
- प्रधान संपादक : फरीद क़ादरी
- संपादक : अबरार अहमद
- कानूनी सला. : मुहम्मद फुरकान, एड.
- व्यवस्थापक : ठा. वेदपाल सिंह
- मैनेजर : केपी यादव
- सह-संपादक : मोहम्मद राशिद
- उप संपादक : जहॉगीर भारती
- दिल्ली प्रभारी : प्रतिमा पाठक

हमारे यूट्यूब चैनल *Amar Bhaskar News* को सब्सक्राइब करें वैल आइकॉन दबाना न भूलें।
-सर्वेश उपाध्याय, मैनेजिंग एडिटर*

अगर आपके पास भी है कोई कविता, रचना, लेख, गजल एवं छंद तो हमें लिख भेजिए, हमारा पता है:-
अमर भास्कर कार्यालय
निकट होटल रिजेन्सी, लावेला चौक बदायूं (उ.प्र.)।
पिन कोड-243601
Email- amarbhashkar21@gmail.com
Whatsapp. No. 9411214614

जिलाधिकारी के नेतृत्व में कार्यशाला का हुआ आयोजन

अमर भास्कर, ब्यूरो

फिरोजाबाद। जिलाधिकारी रमेश रंजन के नेतृत्व में आज विकास भवन सभागार कक्ष में 'सेफर इंटरनेट डे' के अवसर पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला सूचना विज्ञान अधिकारी अंकित कुमार ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग के प्रति जागरूक किया। जिला सूचना विज्ञान अधिकारी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए बताया कि जहाँ। शिक्षा

एवं कार्यक्षमता बढ़ाने में सहायक है, वहीं इसके माध्यम से फैल रहे डीप-फेक, डेटा प्राइवेसी उल्लंघन जैसे खतरों से सतर्क रहने की आवश्यकता है। उन्होंने जोर दिया कि किसी भी टूल का उपयोग करते समय व्यक्तिगत एवं संवेदनशील जानकारी साझा न करें। वित्तीय सुरक्षा के संबंध में उन्होंने बताया कि इंटरनेट बैंकिंग का उपयोग करते समय सदैव बैंक की आधिकारिक वेबसाइट एवं सुरक्षित नेटवर्क का ही प्रयोग करें। सार्वजनिक वाई-फाई के माध्यम से वित्तीय लेन-देन करने से बचें तथा अपने पासवर्ड और पिन को समय-समय पर बदलते रहें। उत्तर प्रदेश पुलिस की साइबर सुरक्षा टीम से लोकेश ने बताया कि 'डिजिटल अरेस्ट' जैसी कोई वैधानिक प्रक्रिया नहीं है। यदि इस प्रकार की कोई कॉल प्राप्त होती है, तो उसकी तुरंत सूचना दें, ताकि साइबर अपराधियों के खिलाफ उचित स्तर पर प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

छात्र-छात्राओं अध्यापक स्टाफ को किया गया जागरुक

अमर भास्कर, ब्यूरो

फिरोजाबाद। थाना साइबर अपराध पुलिस एवं साइबर वॉलिंटियर मोहन दीक्षित द्वारा साइबर जागरूकता अभियान के अन्तर्गत थाना रसूलपुर क्षेत्रान्तर्ग माता प्रसाद कलावती देवी विद्यालय रसूलपुर में छात्र-छात्राओं, अध्यापक एवं अन्य विद्यालय स्टाफको किया गया जागरुक वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सौरक्ष दीक्षित के निर्देशन में थाना साइबर अपराध द्वारा जनपद में साइबर अवेयरनेस हेतु लगातार चलाया जा रहा है जागरुकता अभियान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद सौरभ दीक्षित के निर्देशन में चलाए जा रहे साइबर जागरुकता अभियान के अन्तर्गत अपर पुलिस

अधीक्षक नगर के निकट पर्यवेक्षण में आज थाना साइबर अपराध पुलिस एवं साइबर वॉलिंटियर श्री मोहन दीक्षित द्वारा श्री माता प्रसाद कलावती देवी विद्यालय, रसूलपुर थाना रसूलपुर जनपद फिरोजाबाद में जनपद में बढ़ते साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने के उद्देश्य से साइबर अपराध के प्रति व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं, अध्यापकों एवं अन्य स्टाफको डिजिटल माध्यमों से होने वाली ठगी, फर्जी कॉल, अपडेट के नाम पर ठगी, सोशल मीडिया पर फेक आईडी, लिंकध्एपीके के माध्यम से होने वाले साइबर फ्रॉड एवं ओटीपी अथवा बैंक विवरण साझा करने से होने वाले दुष्परिणामों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित थाना प्रभारी साइबर अपराध श्री राजेश कुमार मय टीम एवं साइबर वॉलिंटियर मोहन दीक्षित द्वारा नागरिकों को सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने, संदिग्ध कॉल या संदेशों से सतर्क रहने तथा किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर घटना की तत्काल 1930 साइबर क्राइम फिरोजाबाद पुलिस सभी नागरिकों से अपील करती है कि डिजिटल माध्यमों का प्रयोग करते समय सतर्क रहें, किसी भी संदिग्ध लिंक, कॉल, संदेश पर अपनी निजी जानकारी साझा न करें।

बाल्मिक परिवार पर दबंगों का अत्याचार

अमर भास्कर, ब्यूरो

संभल। सम्भल कोतवाली क्षेत्र के चिमयावली गाँव में एक विकलांग बाल्मीकि परिवार पर दबंगई व अत्याचार कर रहे हैं इस घटना ने पूरे गाँव में चिंता बढ़ा दी है। राष्ट्रीय दलित पिछड़ा वर्ग के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप सिरसवाल ने बताया कि पीड़ित व्यक्ति सोनू वाल्मीकि दोनों पैरों से विकलांग है और उसके परिवार को रोजमर्रा की जीवन-यापन में गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि परिवार का घर 70 साल पुराना है और इतनी खराब स्थिति में है कि चारपाई तक रखने की सुविधा नहीं है। साथ ही, दबंग

लोग परिवार के रोजमर्रा के आवागमन में बाधा डाल रहे हैं। प्रभावित परिवार के अनुसार, गाँव के कुछ लोग, जो अपने आप को हिंदू प्रजापति बताते हैं, उन्होंने रास्ता बंद कर दिया है, जिससे परिवार घर से बाहर निकलने में असमर्थ और भयभीत है। राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप सिरसवाल ने बताया कि परिवार के तीन-चार सदस्य लगातार डर और परेशानियों का सामना कर रहे हैं और हालात इतने गंभीर हैं कि पीड़ित परिवार पलायन की नौबत तक देख रहा है। उन्होंने पीड़ित को आश्वस्त किया कि न्याय दिलाया जाएगा और प्रशासन के माध्यम से उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। इस संदर्भ में, सिरसवाल ने अपर पुलिस अधीक्षक डैश क्षेत्राधिकारी सम्भल, आलोक भाटी से मुलाकात की। अधिकारियों ने पूरी तत्परता और भरोसे के साथ आश्वासन दिया कि मामले का निपटारा किया जाएगा और पीड़ित परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। सिरसवाल ने प्रशासन से अपील की कि पीड़ित पर होने वाले अन्याय, अत्याचार और जान को खतरे की स्थितियों के मद्देनजर तुरंत कदम उठाए जाएं।

पुलिस अधिकारियों को परिचय पत्र वितरित किया गया

अमर भास्कर, ब्यूरो

फिरोजाबाद। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद सौरभ दीक्षित की नई पहल बेहतर पुलिसिंग के अन्तर्गत सम्पूर्ण जनपद से 220 से अधिक विशेष पुलिस अधिकारियों (पुलिस मित्र) को परिचय पत्र वितरित किया गया है पुलिस लाइन स्थिति बहुउद्देशीय हॉल में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री सौरभ दीक्षित द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक नगर एवं ग्रामीण

की उपस्थिति में विशेष आयोजन किया गया, जिसमें आगामी त्योहार एवं चुनाव के दृष्टिगत शहर एवं देहात क्षेत्र से 220 से अधिक संभ्रांत व्यक्तियों को विशेष पुलिस अधिकारियों (पुलिस मित्रों) को परिचय पत्र वितरित किये गये। महोदय द्वारा पुलिस मित्रों से विस्तृत विचार विमर्श कर उनके दायित्वों पर चर्चा की गयी जिसमें पुलिस को सूचना देने से कानून व्यवस्था में सहयोग देने के संबंध में आवश्य दिशा-निर्देश दिये गये।

सार-संक्षेप

हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची जिलाधिकारी

अमर भास्कर, ब्यूरो

फिरोजाबाद। जिलाधिकारी व जिला निर्वाचन अधिकारी रमेश रंजन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष में विशेष प्रंगाढ निर्वाचन पुनरीक्षण कार्यक्रम के संबंध में समस्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, बैठक का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची को शुद्ध, पारदर्शी और समावेशी बनाना रहा, बैठक में जिलाधिकारी ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील की कि वह अपने-अपने क्षेत्र में फार्म-6 के माध्यम से अधिक से अधिक आवेदन प्राप्त करने में प्रशासन का सहयोग करें, उन्होंने जोर देते हुए कहा कि डाटा कलेक्शन की प्रक्रिया को त्रुटि रहित बनाने के लिए बी एल ओ (बूथ लेवल ऑफिसर) के साथ अपने बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) को अनिवार्य रूप से लगाए ताकि किसी भी स्तर पर त्रुटि की संभावना न रहे, बैठक के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि 1 अक्टूबर 2026 तक जो नागरिक 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हैं उन्हें भी मतदाता सूची में शामिल करने हेतु चिन्हित किया जाए, बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व विशु राजा, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे मोहनलाल गुप्ता, डिप्टी कलेक्टर सहायक निर्वाचन अधिकारी अनुराधा सिंह, तथा बहुजन समाज पार्टी के यादवेंद्र सिंह, अमित गर्ग एडवोकेट जिला अध्यक्ष आम आदमी पार्टी, शैलेंद्र शुक्ला जिला महासचिव कांग्रेस, शैलेंद्र सिंह जिला उपाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी, डॉक्टर विजय आर्य समाजवादी पार्टी, नवल किशोर एडवोकेट महामंत्री सीपीआईएम, राम नरेश कटारा बीजेपी आदि उपस्थित रहे।

भारत को अपनी उपलब्धियों को बचाए रखने हेतु एआई के उपयोग की जरूरत

अमर भास्कर, ब्यूरो

लखनऊ। भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को लेकर चल रहा विमर्श अब परिपक्व होता जा रहा है। ध्यान अब अमूर्त क्षमता से हटकर व्यावहारिक प्रभाव पर केन्द्रित होता जा रहा है। चर्चा एआई की सैद्धांतिक क्षमता से हटकर व्यवहार में उसके द्वारा हल की जा सकने वाली समस्याओं पर टिकती जा रही है। खाद्य और कृषि जैसे कुछ ही क्षेत्र इस अंतर को इतनी स्पष्टता से दर्शा पा रहे हैं। ये वो क्षेत्र हैं जहां अक्षमताएं मामूली नहीं बल्कि प्रणालीगत हैं और प्रौद्योगिकी को जहां जलवायु, लॉजिस्टिक्स एवं बाजार से जुड़ी गहरी स्थानीय वास्तविकताओं के दायरे में काम करना चाहिए। खाद्य प्रणालियां इस समस्या को स्पष्ट रूप से दर्शाती हैं। भारत अपनी आबादी को खिलाने के लिए पर्याप्त से अधिक उत्पादन करता है, फिर भी अनुमानित 68 मिलियन टन भोजन हर साल बर्बाद हो जाता है। इसमें अनियमित आपूर्ति, खराब गुणवत्ता मूल्यांकन और खंडित आपूर्ति श्रृंखलाओं के कारण कटाई के बाद 35-40 प्रतिशत फल एवं सब्जियां नष्ट हो जाती हैं। संकट उत्पादन का नहीं, बल्कि रोके जा सकने वाले नुकसान का है। यह नुकसान किल्लत का नहीं, बल्कि पैदावार एवं उपभोग और आंकड़ों एवं निर्णय लेने की प्रक्रिया के बीच के असंतुलन का नतीजा है। सालों से, गुणवत्ता और समय से जुड़ी विश्वसनीय एवं वास्तविक जानकारियों का अभाव भारतीय किसानों तथा नियामकों के लिए एक चुनौती बना हुआ है। जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप डिजाइन किया जाता है, तो यह इस खाई को पाटने का एक रास्ता खोलती है। जैविक वास्तविकता और आर्थिक निर्णय लेने की प्रक्रिया के बीच की यह खाई ही वह क्षेत्र है जहां व्यावहारिक एआई का खासा कारगर हो सकता है।

दुकानदारों की दुकानों का सघन निरीक्षण किया गया

अमर भास्कर, ब्यूरो

फिरोजाबाद। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक नगर, ग्रामीण के पर्यवेक्षण में जनपद फिरोजाबाद के समस्त नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में चाइनीज माँझों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत सम्बन्धित क्षेत्राधिकारीगण के नेतृत्व में समस्त प्रभारी निरीक्षक, थानाध्यक्षों मय पुलिस टीम द्वारा पतंग एवं माँझे का क्रय-विक्रय तथा भण्डारण करने वाले दुकानदारों की दुकानों का सघन

निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान चाइनीज माँझे का अवैध रूप से क्रय-विक्रय एवं भण्डारण करने वाले दुकानदारों के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्यवाही की गई। इसके अतिरिक्त दुकानदारों एवं आमजन को चाइनीज माँझे के प्रयोग से होने वाली गंभीर दुर्घटनाओं, पर्यावरणीय क्षति तथा जनहानि के सम्बन्ध में जागरूक किया गया तथा भविष्य में इस प्रकार की अवैध गतिविधियों से दूर रहने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए चीनी माँझे का उपयोग पूर्णत: प्रतिबंधित एवं अवैध है। चाइनीज माँझा जनसुरक्षा, पशु-पक्षियों एवं पर्यावरण के लिए अत्यंत घातक सिद्ध होता है। इसका निर्माण, विक्रय, भण्डारण एवं उपयोग करना कानून अपराध है, जिस पर सख्त कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। सुरक्षा संबंधी अपील पतंग उड़ाने वाले समस्त नागरिकों से अनुरोध है कि वे केवल पारंपरिक सूती अथवा बायोडिग्रेडेबल माँझे का ही प्रयोग करें, जिससे किसी भी प्रकार की दुर्घटना एवं जनहानि से बचा जा सके। सूचना देने की अपील, यदि किसी आमजन को चाइनीज माँझे के अवैध क्रय-विक्रय अथवा उपयोग की जानकारी प्राप्त होती है, तो तत्काल स्थानीय पुलिस को सूचित करें, ताकि समय रहते प्रभावी कार्यवाही की जा सके। जनहित एवं जनसुरक्षा के दृष्टिगत यह अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगा।

मुख्य चौराहों पर चलाया चेकिंग अभियान

अमर भास्कर, ब्यूरो

संभल। मंगलवार को जनपद संभल के चंदौसी चौराहा, चौधरी सराय एवं संभल हसनपुर मार्ग पर बिना परमिट परमिट शर्तों का उल्लघंन सड़क सुरक्षा के नियमों का उल्लघंन करने वालो के विरूद्ध कमल प्रसाद गुप्ता, उप परिवहन आयुक्त, परिक्षेत्र बरेली, के नेतृत्व में अभियान चलाया गया जिसमें संदीप कुमार पंकज, संभागीय परिवहन अधिकारी, (प्रवर्तन) मुरादाबाद, अमिताभ चतुर्वेदी सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन प्रवर्तन), सम्भल, योगेन्द्र कुमार यादव यात्री, मालकर अधिकारी, सम्भल एवं यातायात निरीक्षक संभल अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे। अभियान में परिवहन

विभाग, सम्भल द्वारा कुल 51 वाहनों का चालान कर 04 वाहनों को थाने में निरूद्ध करने की कार्यवाही की गयी। साथ ही ओवरलोडिंग माल परिवहन करने के अभियोग में 03 वाहनों को थाने में सीज करने करते हुए रूपये 1.04 लाख रूपये प्रशम शुल्क आरोपित किया गया। इसके अतिरिक्त बिना हेल्मेट के अभियोग में 23 चालान, सीट बेल्ट के अभियोग में 04 चालान, कर बकाया के अभियोग में 05 चालान, ओवर स्पीड़ के संचालन में 16 चालान करने की कार्यवाही करते हुए सभी वाहन स्वामियों एवं चालकों, परिचालको से यह अपील की गयी।

प्राथमिक विद्यालय की जमीन पर अवैध कब्जा का आरोप

अमर भास्कर, ब्यूरो

संभल। विकासखंड जुनावई के ग्राम पंचायत गंगुरा मे प्रधान पति ने गांव में सरकारी संपत्ति पर कुछ ग्रामीणों द्वारा कब्जा होने का आरोप लगाया है प्रधान पति का कहना है प्राथमिक स्कूल के पास कुछ जगह है जो स्कूल की बताई जा रही है जिस पर कुछ गांव वालों का कब्ज का आरोप लगाया है जो विकास में अड़चन आ रहे हैं प्रधान पति का कहना है जगह-जगह गांव में सरकारी जमीन पर कब्जा है नाले का निर्माण करने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है कहीं गांव में कूड़ा डालने के लिए जगह नहीं है जो की सफाई कर्मचारी नंदलाल ने भी शिकायती पत्र दिया हमने भी

अधिकारियों को अवगत कराया अनेक बार प्रार्थना पत्र भी दे चुके हैं परंतु कोई सुनवाई नहीं हो रही है सरकारी जमीन की पैमाइश कर कर कब्जा मुक्त कराई जाए जो गांव में विकास हो सके स्कूल की बाउंड्री नहीं हो रही है ग्रामीण सरकारी संपत्ति को अपनी होने का दावा करते हैं इसकी सही जांच होकर मुक्त कराया जाए अशोक कुमार अध्यापक प्राथमिक स्कूल गंगुरा का कहना है हमारे स्कूल में बच्चों को परेशानी होती है जहां बाउंड्री होनी चाहिए वहां पर लोहे से तारकशी लगाया है जिलाधिकारी से अनुरोध है।

दो भाइयों के हत्यारे ने कोर्ट में किया सरेंडर

अमर भास्कर, ब्यूरो

संभल। दो नाबालिग भाइयों की हत्या के आरोपी ने चंदौसी कोर्ट में अधिवक्ता की वेशभूषा में सरेंडर कर दिया। आरोपी पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। घटना के बाद से ही एसओजी सहित पांच थानों की पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए करीब आठ राज्यों में दबिश दी और 300 से अधिक लोगों से पूछताछ की। लेकिन उसे पकड़ने में नाकाम रही। इससे पहले जनवरी महीने में भी आरोपी ने सरेंडर करने का प्रयास किया था। लेकिन पुलिस की मुस्तैदी के कारण सफल नहीं हो पाया था। घटना संभल जनपद की तहसील गुन्नौर के थाना धनारी क्षेत्र के गांव मझोला और थाना बहजोई क्षेत्र के गांव मैथरा धर्मपुर से संबंधित है। मृतक भाइयों के नाम अमरपाल (14 वर्षीय) और कमल सिंह (10 वर्षीय) पुत्र रामौतार थे। आरोपी की पहचान धर्मवीर (24 वर्षीय) पुत्र नेत्रपाल निवासी गांव सरैरा, थाना उधैती, जनपद बदायूं के रूप में हुई है।

आरोपी धर्मवीर मृतक भाइयों की बहन से शादी करने की जिद पर अड़ा था। इसी बात को लेकर युवती ने उसकी चिमटे से पिटाई कर दी थी।

इसके बाद 26 नवंबर को आरोपी ने गांव मझोला में ननिहाल से बारात में जाते समय दोनों भाइयों का अपहरण कर लिया था। 29 नवंबर को अमरपाल का शव थाना रजपुरा क्षेत्र के गांव सिंघौली कल्लू के जंगल में मिला था। छोटे भाई कमल सिंह का शव 12 दिसंबर को थाना धनारी क्षेत्र के गांव भकरौली के तालाब से बरामद हुआ। अमरपाल की गला दबाकर हत्या की गई थी, जबकि कमल सिंह के सिर में गहरी चोट मारकर उसकी जान ली गई थी। हत्यारोपी पर पहले 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था, जिसे 17 दिसंबर 2025 को बढ़ाकर 50 हजार रुपये कर दिया गया। पुलिस ने 27 दिसंबर 2025 को उसके घर पर बीएनएस की धारा 84 के तहत डुगडुगी बजाकर उद्घोषणा नोटिस चस्पा किया था और 02 फरवरी 2026 को मकान की कुर्की कर दी थी।

थाना प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि हत्या के आरोपी ने कोर्ट में सरेंडर किया है। अब उसका रिमांड लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद हत्यारोपी मेडिकल स्टोर पर नौकरी पर गया। दोनों भाइयों के लापता होने की गुमशुदगी पिता ने थाना पुलिस को दी तो आरोपी फरार हो गया। पुलिस ने आठ राज्यों में दबिश दी और 2 साल में जिन 300 से अधिक लोगों से भी संपर्क में रहा पुलिस ने उनसे भी पूछताछ की लेकिन खाली हाथ रही। यूपी के 20 जिलों के अलावा दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, उत्तराखंड सहित आठ राज्यों में पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दी थी।

फरवरी के शुरुआत में ही तेवर दिखा रहा पारा

उत्तराखंड। लंबे इंतजार के बाद गत जनवरी में बारिश-बर्फबारी हुई तो सूखी ठंड से राहत मिली। साथ ही लोगों के चेहरे पर खुशी देखने को मिली थी लेकिन अब फरवरी के शुरुआत में ही मैदानी क्षेत्रों में तापमान बढ़ने लगा है। हालांकि सुबह-शाम अभी भी ठंड है। आंकड़ों पर नजर डालें तो शुक्रवार को दून का अधिकतम तापमान सामान्य से चार डिग्री अधिक 25.9 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। इसके चलते दिन के समय थोड़ी देर धूप में रहने से गर्मी का अहसास हुआ। ऐसा ही हाल प्रदेश के अन्य इलाकों का भी

रहा। आलम यह रहा कि अभी तक सामान्य से नीचे रहने वाला न्यूनतम तापमान भी सामान्य के आंकड़े पर दर्ज किया गया। मौसम के जानकारों का कहना है कि इतना तापमान फरवरी के आखिरी सप्ताह या फिर 20 दिन गुजरने के बाद देखने को मिलता था। उधर, मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि आने वाले दिनों में होने वाली बारिश-बर्फबारी का असर तापमान पर बहुत कम देखने को मिलेगा। खासकर चटक धूप का असर मैदानी इलाकों में ज्यादा रहेगा। शनिवार के मौसम की बात करें तो हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर जिले के कुछ हिस्सों में सुबह के समय कोहरा छाने से ठंड परेशान कर सकती है। हालांकि अन्य जिलों में मौसम शुष्क रहेगा। आने वाले दिनों की बात करें तो नौ से 11 फरवरी तक प्रदेश के पर्वतीय इलाकों में हल्की बारिश व बर्फबारी होने की संभावना हैं। प्रदेश के तीन हजार मीटर से अधिक ऊचांई वाले इलाकों में बर्फबारी की ज्यादा आसार हैं।

राष्ट्रीय सर्वण परिषद की रैली रोकी, ज्ञापन सौंपा

अमर भास्कर, ब्यूरो

अलीगढ़। इगलास कस्बे में राष्ट्रीय सर्वण परिषद के कार्यकर्ताओं ने यूजीसी कानून के विरोध में प्रदर्शन किया। परिषद के पदाधिकारी रामलीला ग्राउंड से तहसील तक एक रैली निकालना चाहते थे, लेकिन प्रशासन ने उन्हें रोक दिया। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने एसडीएम पारितोष मिश्रा को एक ज्ञापन सौंपा। प्रशासन ने धारा 144 लागू होने का हवाला देते हुए रैली निकालने की अनुमति नहीं दी।

एसडीएम पारितोष मिश्रा, सीओ महेश कुमार, इंस्पेक्टर नरेंद्र यादव और क्राइम इंस्पेक्टर सुभाष कठेरिया ने कार्यकर्ताओं को रामलीला ग्राउंड में ही रोककर समझाया। अधिकारियों ने उन्हें शांतिपूर्ण तरीके से ज्ञापन देने की सलाह दी। राष्ट्रीय सर्वण परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज धवरैया हाथरस से दिल्ली तक सनातन यात्रा निकालने वाले थे, लेकिन पुलिस प्रशासन ने उन्हें हाथरस में ही रोक दिया। धवरैया अपने घर के बाहर खुले में धरने पर बैठे हैं। इगलास में कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष को हाउस अरेस्ट किया गया है और प्रशासन ने उनके खुले धरने के लिए तिरपाल की कोई व्यवस्था नहीं की है। एसडीएम ने कार्यकर्ताओं को समझाया और इसके बाद परिषद के पदाधिकारियों ने संबंधित ज्ञापन एसडीएम को सौंप दिया। इस दौरान राष्ट्रीय सर्वण परिषद के नगर अध्यक्ष मोनू चतुर्वेदी, संजय दत्त, विशाल शर्मा, रिंकू शर्मा, नितिन अग्रवाल, रानू शर्मा, अजय ठाकुर और एडवोकेट सत्यप्रकाश शर्मा सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तेज रफ्तार कार ने महिला को मारी टक्कर

अमर भास्कर, ब्यूरो

अलीगढ। गभाना क्षेत्र के गांव पला सल्लू के पास स्कूटी सवार एक महिला को तेज गति से आ रही कार ने टक्कर मार दी। महिला का आरोप है कि हरयाणवी सिंगर मासूम शर्मा की कार थी। लेकिन पुलिस ने महिला के आरोप को बेबुनियाद बताया है। फिलहाल पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। घायल महिला को गम्भीर हालत को देखते हुए डॉक्टर ने जिला अस्पताल से मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया था। मिली जानकारी के अनुसार चूहरपुर गभाना निवासी बृजेश गौतम पत्नी विपिन कुमार सोमवार की रात करीब

7 और 8 बजे के करीब अपनी स्कूटी में पेट्रोल डलवाने जा रही थी। रास्ते मे जीटी रोड स्थित गांव पला सल्लू के पास पहुँची थी, तभी तेज रफ्तार कार ने स्कूटी में टक्कर मार दी। टक्कर मारने वाली कार हरयाणवी सिंगर मासूम शर्मा की थी। उनका अलीगढ नुमाइश में कार्यक्रम था। मासूम शर्मा कार्यक्रम में शामिल होने अलीगढ जा रहे थे। कार हरियाणा नम्बर की थी। आगे बताया कि एक व्यक्ति गमझा डालकर उनके पास आया था। उसने बोला कि वह इलाज करवा देंगे, जोकि सिंगर है। लेकिन इलाज करवाने कोई नहीं आया। मेरा पैर तो खत्म है। सूचना पर पुलिस और एम्बुलेंस मौके पर आई। महिला की हालत को देखते हुए डॉक्टर ने उसे जेएन मेडीकल कॉलेज रैफर कर दिया। उधर, एसओ सचिन शर्मा ने बताया कि हादसे की सूचना पर पुलिस को मिली थी। बरामद कार क्रेटा जो हरियाणा नं० की है जिसे पुलिस ने कब्जे में लिया है।

होटल से काम करके घर जा रहे, युवक से लूट

अमर भास्कर, ब्यूरो

अलीगढ़। होटल से काम करके घर जा रहे बदमाशों ने होली चौक के पास लूट लिया और सिर में तमंचे की बट मारकर घायल कर दिया उससे फोन और 18 सौ रुपए लूटकर बदमाश फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। जानकारी के मुताबिक बन्नादेवी थाना क्षेत्र शक्ति नगर

निवासी कुलदीप शर्मा पुत्र हरि शंकर सोमवार की रात्रि 3 बजे के करीब होटल से काम करके अपने घर जा रहा था, तभी होली चौक से थोड़ा आगे चला था। तभी बाइक सवार 3 बदमाश आ धमके।

आते ही सिर में तंमचे की बट मारी और उसे घायल कर दिया बाद में तमंचा मुंह मे रख दिया। फिर मोबाइल फोन और 1800 रुपये लूटकर ले गए।

सार-संक्षेप

एएमयू में यूनानी मेगा सेल का आयोजन

अमर भास्कर, ब्यूरो

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के दवाखाना तिब्बिया कॉलेज (डीटीसी) द्वारा कला संकाय के लॉन में एक दिवसीय यूनानी मेगा सेल का आयोजन किया गया, जिसे छात्रों, कर्मचारियों और स्थानीय नागरिकों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. नइमा खातून और पूर्व कुलपति प्रो. मोहम्मद गुलरेज ने किया। इस अवसर पर सहकुलपति प्रो. मोहम्मद मोहसिन खान, रजिस्ट्रार प्रो. आसिम जफर, मेंबर इंचार्ज प्रो. रियाज अहमद तथा डीटीसी के कार्यवाहक प्रबंधक शारिक आजम भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त हुए प्रो. नइमा खातून ने पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों की वैज्ञानिक विरासत पर प्रकाश डाला और कहा कि इस प्रकार की पहलें किफायती, प्राकृतिक और निवारक स्वास्थ्य सेवाओं को आमजन तक पहुंचाने के साथ-साथ स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों में विश्वास को भी मजबूत करती हैं। मेगा सेल का उद्देश्य यूनानी चिकित्सा पद्धति के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इस अवसर पर डीटीसी द्वारा विकसित रेडी-टू-ड्रिंक यूनानी पेय शरबत दिल जील का लोकार्पण किया गया। खजूर, सेब, अंजीर और किशमिश जैसे प्राकृतिक अवयवों से तैयार यह पेय रमजान माह के लिए ऊर्जा वर्धक के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

प्रो. मोहम्मद गुलरेज ने समकालीन स्वास्थ्य सेवाओं में यूनानी चिकित्सा की निरंतर प्रासंगिकता पर बल दिया, जबकि सहकुलपति प्रो. मोहम्मद मोहसिन खान ने कहा कि जनता की मजबूत भागीदारी प्राकृतिक चिकित्सा प्रणालियों में बढ़ते विश्वास को दर्शाती है। प्रो. रियाज अहमद ने बताया कि मेगा सेल में विभिन्न प्रकार की यूनानी दवाएं और स्वास्थ्य उत्पाद रियायती दरों पर उपलब्ध कराए गए, साथ ही योग्य हकीमों द्वारा निःशुल्क परामर्श भी दिया गया। कार्यक्रम में अनेक शिक्षक और विश्वविद्यालय के अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रयोगशाला में प्रैक्टिकल के दौरान गिरी केमिकल की बोतल

चम्पावत। लोहाघाट के राजकीय पॉलिटेक्निक में प्रयोगशाला में प्रयोगात्मक कार्य करते समय केमिकल की बोतल नीचे गिर गई। इसकी गंध के चलते सात छात्राएं बेहोश हो गई। जानकारी के अनुसार शनिवार को फार्मेसी प्रथम वर्ष की छात्राएं प्रयोगात्मक कंपनी शिक्षिका के साथ प्रेक्टिकल कर रही थी। इस दौरान पास में ही रखी ऐसीटल क्लोराइड केमिकल की बड़ी बोतल जमीन में गिर गई और फट गई। केमिकल की तीखी गंध से प्रेक्टिकल कर रही सात छात्राओं सहित शिक्षिका बेहोश हो गई।

अचानक हुई इस घटना से संस्थान में हड़कंप मच गया। सभी को आनन फानन में सभी को उपचार के लिए लोहाघाट उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विराज राठी ने बताया कि केमिकल के प्रभाव से छात्राओं, शिक्षिका को सांस लेने में दिक्कत, बेहोशी खांसी और आंखों में जलन की शिकायत हो रही है। सभी को ऑक्सीजन देकर उपचार किया जा रहा है।

सेफर इंटरनेट डे पर कलेक्ट्रेट में हुई जागरूकता कार्यशाला

अमर भास्कर, ब्यूरो

अलीगढ़। सेफर इंटरनेट डे के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में साइबर सुरक्षा एवं सुरक्षित इंटरनेट उपयोग को लेकर एन आई सी द्वारा जनजागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता परियोजना निदेशक भालचंद त्रिपाठी ने की। कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे परियोजना निदेशक भालचंद त्रिपाठी ने कहा कि डिजिटल युग में तकनीक जितनी उपयोगी है, उतनी ही सावधानी की भी आवश्यकता है। इस तरह की कार्यशालाएं आमजन को जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और सुरक्षित डिजिटल समाज के निर्माण में सहायक हैं। वर्कशॉप का उद्देश्य आमजन को साइबर फ्रॉड से बचाव, डिजिटल सतर्कता और सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यशाला को संबोधित करते हुए उप निरीक्षक बिपिन ने साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों पर चिंता जताते हुए कहा कि साइबर फ्रॉड का सबसे बड़ा कारण हमारी अज्ञानता और लालच है। किसी भी अनजान लिंक, कॉल या लालच भरे संदेश पर बिना सोचे-समझे प्रतिक्रिया देना हमें अपराधियों का

शिकार बना देता है। उन्होंने डिजिटल लेन-देन, सोशल मीडिया और मोबाइल ऐप्स के सुरक्षित उपयोग से जुड़े व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी। कार्यशाला के दौरान एडी सूचना संदीप कुमार एपीके फाइल डाउनलोड करने एवं जिला बचत अधिकारी पीयूष कुमार द्वारा इंटरनेट बैंकिंग एवं साइबर सुरक्षा से जुड़ी विभिन्न जिज्ञासाएं रखी गईं, जिनका समाधान उप निरीक्षक बिपिन एवं आशु चौधरी ने अत्यंत सरल, सहज एवं ज्ञानवर्धक तरीके से किया। उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कार्यशाला को उपयोगी और समयानुकूल बताया।

कार्यशाला के अंत में जिला सूचना विज्ञान अधिकारी विनोद कुमार ने सभी उपस्थित आए अधिकारियों कर्मचारियों का आभार प्रकट किया। साइबर क्राइम के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करने के उद्देश्य से पीएम श्री विद्यालय में भी एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में छात्रों को सुरक्षित इंटरनेट उपयोग, सोशल मीडिया पर सावधानी, ओटीपी व पासवर्ड की गोपनीयता एवं ऑनलाइन ठगी से बचाव के व्यावहारिक उपायों की जानकारी दी गई। वक्ताओं ने सरल उदाहरणों के माध्यम से बताया कि थोड़ी-सी सतर्कता अपनाकर साइबर अपराधों से स्वयं को सुरक्षित रखा जा सकता है। छात्रों ने कार्यशाला को उपयोगी बताते हुए डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने का संकल्प लिया।

नेपाल के लोगों को देना होगा प्रमाणपत्र

उत्तराखंड। राज्य में निवास कर रहे नेपाल निवासियों को भारत की नागरिकता होने की सूरत में ही एसआईआर में शामिल होने का मौका मिलेगा। तब उन्हें चुनाव आयोग के समक्ष अपना नागरिकता का प्रमाण और जन्मतिथि का प्रमाण देना होगा।प्रदेश के चंपावत, पिथौरागढ़ से लेकर देहरादून तक नेपाल का उत्तराखंड से रोटी-बेटी का रिश्ता है। तमाम बेटियां ऐसी हैं जो नेपाल से ब्याहकर उत्तराखंड में आईं। तमाम लोग ऐसे हैं जो कि वर्षों से यहां निवास कर रहे हैं और उनके बच्चों का जन्म यहीं हुआ है। सवाल उठ रहा है कि चुनाव आयोग के एसआईआर में इनके लिए क्या व्यवस्था होगी। अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. विजय कुमार

जोगदंडे का कहना है कि भारत में बाहरी देशों से आए लोगों के मतदाता बनने के लिए यहां की नागरिकता होनी जरूरी है। जो वर्तमान वोटर लिस्ट में हैं, उनका वोट नागरिकता के आधार पर बना होगा। जिनके पास नागरिकता नहीं, उनका वोट नहीं बनेगा। उन्होंने बताया कि नेपाल मूल के जो लोग यहां के नागरिक बन चुके हैं और 2003 में यहां वोटर नहीं थे तो उन्हें एसआईआर के दौरान नागरिकता और जन्मतिथि का प्रमाण देना होगा। डॉ. जोगदंडे ने बताया कि उनका बीएलओ मैपिंग तो नहीं हो पाएगा लेकिन एसआईआर के इन्म्यूरेकेशन फॉर्म के साथ उन्हें ये प्रमाण उपलब्ध कराने होंगे।

हनुमान पुरी में डेयरी संचालको पर ठोका जुर्माना

अमर भास्कर, ब्यूरो

अलीगढ़। अवैध डेयरी संचालको द्वारा गोबर व गंदगी सड़क व नालियों में बहाने के कारण सफाई व्यवस्था में आ रही बाधा हो देखते हुए नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा के निर्देश पर पशु कल्याण अधिकारी राजेश गुप्ता के नेतृत्व में हनुमान पुरी क्षेत्र में डेयरी संचालकों पर कार्यवाई करते हुए 15000 का भारी जुर्माना वसूल किया। मंगलवार को नगर निगम के पशु कल्याण अधिकारी डॉ राजेश वर्मा के साथ प्रवर्तन दल के जवानों ने हनुमान पुरी पर अवैध डेयरी संचालकों के विरुद्ध कार्यवाई के लिये अभियान चलाया गया। अभियान

की अगुवाई करते हुए पशु कल्याण अधिकारी ने नालियों में गोबर बहाने वाले डेयरी संचालकों के विरुद्ध कार्यवाई करते हुए 15000 हजार का जुर्माना वसूलते हुए डेयरी संचालको को कड़ी चेतावनी देते हुए गोबर व गंदगी नाले नालियों में न बहाने की कड़ी हिदायत दी।

कांवड़ यात्रा मार्ग पर ई-रिक्शा रहेंगे प्रतिबंधित

अमर भास्कर, ब्यूरो

अलीगढ़। अलीगढ़ मंडल में महाशिवरात्रि पर्व और आगामी बोर्ड परीक्षाओं को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड पर है। मंडलायुक्त संगीता सिंह और डीआईजी प्रभाकर चौधरी ने मंडल के चारों जिलों अलीगढ़, हाथरस, एटा और कासगंज के कप्तान व जिलाधिकारियों के साथ सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। इस दौरान महाशिवरात्रि पर्व तक कांवड़ मार्ग पर मीट की दुकानें बंद करने के साथ ही राष्ट्रीय राजमार्गों पर ई-रिक्शा का संचालन प्रतिबंधित करने के निर्देश दिए हैं। सुरक्षा और शुचिता को देखते हुए डीआईजी प्रभाकर चौधरी ने निर्देश दिए हैं कि कांवड़ यात्रा की अवधि तक राष्ट्रीय राजमार्गों पर ई-रिक्शा का संचालन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। इसके साथ ही कांवड़ मार्ग पर पड़ने वाली मीट की दुकानें बंद रखी जाएंगी।

कांवड़ रूट के सभी ढाबों और होटलों पर संचालकों को अपना नाम स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करना होगा ताकि किसी भी प्रकार का भ्रम या विवाद पैदा न हो। डीआईजी ने पुलिस अधिकारियों को हिदायत दी है कि घाटों पर डूबने की एक भी घटना बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके लिए संवेदनशील घाटों पर गोताखोरों की टीम, जाल और बैरिकेडिंग

के इंतजाम समय से पूरे करने के आदेश दिए गए हैं। इसके अलावा उन स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल का भी इंतजाम किया जाए। महाशिवरात्रि के उल्लास के बीच छात्र-छात्राओं की बोर्ड परीक्षाओं का भी ख्याल रखा जा रहा है। मंडलायुक्त ने निर्देश दिए हैं कि परीक्षा केंद्रों के आसपास 'साइलेंस जोन' का सख्ती से पालन किया जाए। लाउडस्पीकर के शोर पर लगाम रहेगी और परीक्षार्थियों के आवागमन के लिए यातायात व्यवस्था को बाधा मुक्त रखा जाएगा।

परीक्षा केंद्रों के आसपास किसी भी प्रकार की अराजकता या भीड़ जमा होने पर पुलिस को तुरंत कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया गया है। भारी भीड़ की संभावना को देखते हुए शनिवार सुबह 8 बजे से रविवार रात तक शहर में भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। रामघाट रोड, अचलेश्वर और खेरेश्वर मंदिर की ओर जाने वाले मार्ग वाहनों के लिए पूरी तरह बंद रहेंगे। दिल्ली-खुर्जा की ओर से आने वाले ट्रक और कमर्शियल वाहन सोमना मोड़ से खैर-इगलास की तरफ भेजे जाएंगे। आगरा से आने वाले वाहन वन चेतना केंद्र से डायवर्ट होंगे। नगर निगम ने कांवड़ मार्ग को रोशन करने की व्यवस्था की है। इसके तहत 750 अतिरिक्त फोकस लाइटें लगाई जा रही हैं। साथ ही 12 फरवरी से 16 फरवरी तक विशेष सफाई अभियान और हेल्प डेस्क संचालित रहेंगे।

नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा का कहना है कि शहर में कांवड़ यात्रा मार्ग पर जहां भी सड़क बदहाल स्थिति में उसे भी ठीक कराया जा रहा है।

दिशा ग्रुप ऑफ इन्स्टीटयूशन्स् के 20वें स्थापना दिवस पर सयुंक्त सचिव अनिरूद्ध अग्रवाल ने की आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों का नि:शुल्क प्रवेश लिये जाने की घोषणा

उपस्थित छात्र-छात्राओं ने तालियां बजाकर किया हर्ष व्यक्त ▶▶शशि देवी-मूलचन्द एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा धामपुर में संचालित है दिशा ग्रुप ऑफ इन्स्टीटयूशन्स्

अमर भास्कर ब्यूरो

धामपुर। दिशा ग्रुप ऑफ इन्स्टीटयूशन्स् धामपुर में संस्था ने अपना 20 वाँ स्थापना दिवस पूजा, हवन करके प्रारम्भ किया गया। जिसका शुभारम्भ संस्था के महासचिव मुकेश कुमार अग्रवाल, चेयरपर्सन डॉक्टर नीलम अग्रवाल, संयुक्त सचिव अनिरूद्ध अग्रवाल, रजिस्ट्रार राजीव कुमार, अकेडमिक इन्चार्ज अमित विश्नोई, प्राचार्य इन्स्टीट्यूट डा. दुष्यंत जैन, प्राचार्य फार्मेसी डा. विमल कुमार भारती ने माँ सरस्वती एवं भगवान गणेश की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण करके किया।

संस्था के 20 वें स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर संस्था के सयुंक्त सचिव अनिरूद्ध अग्रवाल द्वारा घोषणा की गयी कि संस्था को संचालित करने वाली हमारी शशि देवी मूलचन्द एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा निर्णय लिया गया है कि इस वर्ष संस्था क्षेत्र के 20 आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों का निःशुल्क प्रवेश लिया जायेगा जिस पर उपस्थित छात्र-छात्राओं द्वारा तालियां बजाकर हर्ष व्यक्त किया गया। महाविद्यालय में स्थापना दिवस के अवसर पर कालेज स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित की गयी। वालीवॉल प्रतियोगिता में छात्र हरीश की टीम विजेता व छात्र वंश प्रताप सिंह की टीम उपविजेता रहीं। गेला फेक प्रतियोगिता छात्र समूह में प्रथम स्थान अब्दुल वाहिद व छात्रा समूह में प्रथम स्थान अशिका शर्मा ने प्राप्त किया। लम्बी कूद प्रतियोगिता के छात्र समूह में प्रथम स्थान हर्ष अग्रवाल बी.सी.ए. द्वितीय वर्ष व द्वितीय स्थान मौ0 शाद बी.सी.ए. द्वितीय वर्ष एवं छात्रा समूह में प्रथम स्थान समाना डा. फार्मा प्रथम वर्ष व द्वितीय स्थान भूमि दिक्षित बी. कामें प्रथम वर्ष ने प्राप्त किया। टग ऑफ वार प्रतियोगिता के छात्रा समूह में रोप क्रोन टीम विजेता व टग टाइटस उप विजेता रही। छात्र समूह में स्टांग फाइटर विजेता व लॉइंस ऑफ द सॉयल टीम उपविजेता रहीं। केरम प्रतियोगिता में छात्र समूह में प्रथम स्थान मौ0 हरीश बी.बी.ए. प्रथम वर्ष एवं छात्रा समूह में आफरीन सैफी बी.एस.सी. कम्प्यूटर प्रथम वर्ष प्रथम स्थान ने प्राप्त किया। चेस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शिखर तोमर बी.सी.ए. प्रथम वर्ष एवं द्वितीय स्थान अर्जित बी.सी.ए. प्रथम वर्ष ने प्राप्त किया। बेडमिंटन प्रतियोगिता के छात्र समूह में मौ आतिफ विजेता व अनुभव उपविजेता रहें। वही छात्रा समूह टीम में मशीरा रब विजेता व फरीहा मलिक उपविजेता रहीं। नृत्य एवं गायन में रिया सिंह, अदिति राजपूत, कनिष्का, महक धीमान, यशी रस्तोगी, अनुष्का राजपूत, भूमि सिंह, त्रेशा, पायल सिंह, शुभांशु चौहान, भूमि दिक्षित, खूशी वर्मा, संजना रानी, काशिफा, कृतिका धीमान, वशिका ठाकुर आदि ने प्रतिभाग किया। इवेन्ट कार्डिनेटर जितेन्द्र कुमार एवं मधुलिका राजपूत रहीं। मंच का सुन्दर संचालन संस्था की शिक्षिका रश्मि शर्मा एवं जौली चौहान ने किया। इस कार्यक्रम में संस्थान के फैकल्टी एवं स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा इनमें प्रमुख रूप से जीत सिंह (मीडिया प्रभारी), गौरव मलिक (चीफ प्रोक्टर), डा0 समीर अहमद (ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट हेड), ब्रजनेश सिसौदिया, नरेशपाल सिंह, प्रीति विश्नोई, सोनू कुमार, डा0 एकता मलिक, नाजिश, निधि चौहान, परमजीत कौर, नौशू सिंह, राजेश कुमार, रश्मि शर्मा, जौली जौली चौह चौहान, प्रभात कुमार, सतेन्द्र शर्मा, रेशु रानी, जितेंन्द्र सिंह, मानशी, मंशा अग्रवाल, नमन कौशिक, वैष्णवी अग्रवाल, जसवंत सिंह, ललित कुमार, शिवम कुमार, सुनैना राजपूत, रजत चौहान, प्राकुल कुमार, संजना राजपूत, अंजली, गौतम, सूर्यप्रताप सिसौदिया, वैभव कटारिया, आकांक्षी, संदीप विश्नोई, विशाल गुप्ता, सचिन कुमार, अवनीश कुमार, दिव्यांश अग्रवाल, रीना देवी, दीपक शर्मा, रजनीश कुमार, आदि का पूर्ण सहयोग रहा।

संयुक्त रूप से किया गया भव्य आयोजन का शुभारंभ

संस्था के महासचिव मुकेश अग्रवाल, चेयरपर्सन डॉक्टर नीलम अग्रवाल,संयुक्त सचिव अनिरूद्ध अग्रवाल, रजिस्ट्रार राजीव कुमार, अकेडमिक इन्चार्ज अमित विश्नोई, प्राचार्य इन्स्टीट्यूट डा0 दुष्यंत जैन, प्राचार्य फार्मेसी डा0 विमल कुमार भारती ने संयुक्त रूप से किया माँ सरस्वती एवं भगवान गणेश की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण किया।

महासचिव मुकेश अग्रवाल, चेयरपर्सन डॉक्टर नीलम अग्रवाल, संयुक्त सचिव अनिरूद्ध अग्रवाल है बधाई के पात्र

शशि देवी-मूलचन्द एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा धामपुर में संचालित दिशा ग्रुप ऑफ इन्स्टीटयूशन्स् संस्था की स्थापना के लिए संस्था के महासचिव मुकेश अग्रवाल, चेयरपर्सन डॉक्टर नीलम अग्रवाल,संयुक्त सचिव अनिरूद्ध अग्रवाल मुख्य रूप से बधाई के पात्र है। 20 वे स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर राष्ट्रीय दैनिक अमर भास्कर उप सम्पादक जहाँगीर भारती की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

सीएचसी में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अभियान की विधिवत शुरुआत

अमर भास्कर ब्यूरो

स्योहारा। सीएचसी स्योहारा अधीक्षक डॉक्टर बी के खेही द्वारा स्कूली बच्चों को एल्बेंडाजोल गोली खिलाकर अभियान की शुरुआत की गई। इस दौरान सीएचसी स्योहारा में आयोजित विशेष उद्घाटन समारोह में एमक्यू इंटर कॉलेज स्योहारा की एनसीसी बटालियन के कप्तान मौहम्मद यूनुस साहब के साथ समस्त स्कूली बच्चे भी उपस्थित रहे। सभी बच्चों को अधीक्षक डॉक्टर बीके खेही द्वारा एल्बेंडाजोल की गोली अपने हाथों द्वारा खिलवाई गई। और इस कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की इस दौरान डॉक्टर खेही ने बताया की कृमि संक्रमण बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में बाधा डालता है। इसलिए इसे रोकना सरकार की मुख्य प्राथमिकता है। यह अभियान पोषण और एनीमिया जैसी बीमारियों को रोकथाम में सहायक होगा। एल्बेंडाजोल की दवा समस्त स्कूलों आंगनबाड़ी केंद्रों और मदरसों में लक्ष्य समूह 1 साल से 19 वर्ष के बच्चों को दी जाएगी। डॉक्टर खेही ने बताया कि 2 साल तक के बच्चों को आधी गोली, दो से तीन साल के बच्चों को पूरी गोली और तीन से 19 वर्ष तक के बच्चों को अल्बेंडाजोल की पूरी गोली चबाकर खिलाई जाएगी। यह दवा हमेशा स्वास्थ्य कर्मियों की निगरानी में दी जाएगी। इस दौरान अभिभावकों को दवा सेवन से संबंधित सावधानियों, स्वच्छता, साफ पानी के उपयोग और हाथ धोना जैसी आदतों के प्रति भी राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की टीम द्वारा स्कूलों में जाकर जागरूक किया गया। डॉक्टर खेही ने कहा कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अभियान बच्चों को कृमि संक्रमण, एनीमिया और कुपोषण से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने सभी अभिभावकों से अभियान को सफल बनाने में बच्चों को दवा समय पर खिलवाने की अपील की। 13 फरवरी 2026 को माप आप राउंड चलाया जाएगा। जो बच्चे दवाई खाने से रह गए हैं। वह बच्चे 13 फरवरी 2026 को दवाई का सेवन करेंगे। इस दौरान हेल्थ सुपरवाइजर वीर सिंह, राजेश कुमार, फार्मासिस्ट प्रदीप रावत, जितेंद्र रावत, एआरओ आलोक कुमार, डॉक्टर श्वेता, डॉक्टर राकेश कुमार, सुमित कुमार, उमेश कुमार, बीपीएम शालिनी बिश्नोई, बीसीपीएम राजेश कुमार और डीईओ राशि और अनम और अन्य स्वास्थ्य कर्मी भी उपस्थित रहे।

सुरक्षित इंटरनेट एक बहुउपयोगी व बहुउद्देशीय उपकरण, साईबर क्राईम से रहे सतर्कः डीएम

अमर भास्कर ब्यूरो

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में सुरक्षित इंटरनेट दिवस के अवसर पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। डीएम कौर ने कहा कि आज के दौर में इंटरनेट एक बहुउपयोगी और बहुउद्देशीय उपकरण है, जो इंसानी जीवन के हर क्षेत्र में आवश्यक जरूरत बन चुका है। उन्होंने कहा कि इंटरनेट का उपयोग यदि सुरक्षित और जिम्मेदारी से न किया जाए तो उससे जान-माल दोनों असुरक्षित हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि आज एक ओर जहां इंटरनेट ने मानव जीवन की हर क्षेत्र में एक क्रांति पैदा कर दी है, वहीं इसके भयानक दुष्परिणाम भी सामने आ रहे हैं। साइबर फ्रॉड आज वैश्विक समस्या बन चुकी है। इससे बचने का एकमात्र तरीका यही है कि बहुत सावधानी और सजगता के साथ इसका प्रयोग करें और किसी भी लालच या जिज्ञासिया से वशीभूत होकर किसी भी अनजाने लिंक पर क्लिक न करें, क्योंकि वह साइबर फ्रॉड हो सकता है। उन्होंने बताया कि पुलिस विभाग द्वारा साइबर फ्रॉड एवं साइबर क्राइम से आम नागरिकों को सुरक्षित रखने के लिए साइबर सेल स्थापित किया है, जिसकी ब्रांचेस हर पुलिस थाने में स्थापित हैं। पुलिस साइबर सेल द्वारा न सिर्फ आम नागरिकों को साइबर फ्रॉड के प्रति जागृत किया जाता है बल्कि साइबर फ्रॉड के शिकार लोगों की कथा संभव मदद भी की जाती है। उन्होंने जन सामान्य का आह्वान किया कि अपनी व्यक्तिगत जानकारी को सुरक्षित रखें और किसी अंजाने व्यक्ति से शेयर न करें, ऑनलाइन व्यवहार में सावधानी बरतें और यदि किसी दुर्भाग्यवश साइबर फ्रॉड के शिकार होने पर तत्काल पुलिस से संपर्क कर साइबर अपराध की रिपोर्ट दर्ज कराएं। कार्यक्रम में एनआईसी एवं पुलिस साइबर सेल के विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को साइबर सुरक्षा, डेटा प्रोटेक्शन तथा ऑनलाइन जोखिमों से बचाव के तकनीकी पहलुओं पर विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, पुलिस साइबर सेल के विशेषज्ञ एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे।

बिजली तार चोर गिरोह का पर्दाफाश, छह गिरफ्तार, सात कुंतल तार बरामद, वाहन सीज

अमर भास्कर ब्यूरो

अफजलगढ़। अफजलगढ़ पुलिस ने थानाध्यक्ष रामप्रताप सिंह के नेतृत्व में बिजली के तार चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए चोरी के तार बेचने जा रहे गिरोह का पर्दाफाश कर छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से करीब सात कुंतल 11 केवी विद्युत लाइन का तार, तार काटने का लोहे का कटर तथा घटना में प्रयुक्त छोटा हाथी वाहन बरामद किया है। वाहन को मोटर वाहन अधिनियम के तहत सीज कर दिया गया है। वही थानाध्यक्ष रामप्रताप सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ लोग चोरी किए गए विद्युत तार को बेचने के लिए हरेवली से अफजलगढ़ की ओर ला रहे हैं। सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर रोहित कुमार उर्फ लाला पुत्र रमेश सिंह निवासी ग्राम नारायणवाला थाना रेहड़, अबरार अंसारी पुत्र इमामुद्दीन निवासी ग्राम मुनव्वपुर सैद थाना शेरकोट, हेमराज उर्फ तारा पुत्र दलीप सिंह, मनीष कुमार उर्फ छोटू पुत्र राजपाल सिंह, अरूण पुत्र चुन्ना सिंह निवासीगण ग्राम नारायणवाला थाना रेहड़ तथा नईम अहमद पुत्र तस्लीम निवासी ग्राम भगोता उर्फ हरेवला थाना शेरकोट को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से लगभग सात कुंतल विद्युत तार मौके से बरामद किया, जबकि जांच के दौरान कुल मिलाकर करीब सात कुंतल 11 केवी लाइन का तार कब्जे में लिया गया। इसके अलावा तार काटने का लोहे का कटर और छोटा हाथी वाहन संख्या च06ब4235 भी बरामद हुआ। वाहन को धारा 207 एमवी एक्ट के तहत सीज कर दिया गया है। इस मामले में एंटी पावर थेफ्ट थाना बिजनौर में मु0अ0सं0 52/2026 धारा 136 विद्युत अधिनियम के तहत पहले से मुकदमा दर्ज है, जिसमें बरामदगी के आधार पर धारा 317(2) बीएनएस की वृद्धि की गई है। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने 5 फरवरी 2026 की रात ग्राम आलमपुर गांवड़ी के जंगल से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन का तार रस्से की मदद से नीचे खींचकर कटर से काट लिया था और उसे छोटा हाथी वाहन में लादकर ले गए थे। आरोपियों ने यह भी स्वीकार किया कि चोरी की घटना में उनके दो अन्य साथी शेखर पुत्र उमेश तथा सुमित पुत्र बलराम निवासी ग्राम नारायणवाला थाना रेहड़ भी शामिल थे, जो फिलहाल फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश में दबिश दे रही है। पुलिस के अनुसार आरोपियों द्वारा चोरी किए गए तार को बेचने के उद्देश्य से ले जा रहे थे, लेकिन उससे पहले ही उन्हें पकड़ लिया गया। इस कार्रवाई से क्षेत्र में बिजली चोरी की घटनाओं पर रोक लगाने में मदद मिलेगी। कार्रवाई करने वाली टीम में थानाध्यक्ष रामप्रताप सिंह के अलावा उपनिरीक्षक राजीव कुमार,उपनिरीक्षक कमरुल हसन खां, उपनिरीक्षक हरवीर सिंह, उपनिरीक्षक शिवम तायल, कांस्टेबल देवकरण, कांस्टेबल विजय राणा और कांस्टेबल मोनू कुमार शामिल रहे।

सपा अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सचिव बनाएं गये दिलशाद अल्वी

अमर भास्कर ब्यूरो

अफजलगढ़। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर सपा अल्पसंख्यक सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना इकबाल खां क़ादरी द्वारा ग्राम रसूलपुर, थाना बढ़ापुर बिजनौर निवासी दिलशाद अल्वी को समाजवादी अल्पसंख्यक सभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में राष्ट्रीय सचिव नामित किया गया है। मनोनयन की सूचना मिलते ही क्षेत्र में पार्टी कार्यकर्ताओं व समर्थकों के बीच उत्साह का माहौल देखने को मिला और उन्हें बधाइयों का सिलसिला शुरू हो गया। पार्टी की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि दिलशाद अल्वी से अपेक्षा की जाती है कि वह समाजवादी पार्टी की नीतियों, कार्यक्रमों एवं विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे तथा संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त, प्रभावशाली व गतिशील बनाने में योगदान देंगे। पार्टी नेतृत्व ने उनके अनुभव और संगठनात्मक क्षमता पर भरोसा जताते हुए

उम्मीद व्यक्त की है कि उनके जुड़ने से अल्पसंख्यक सभा को मजबूती मिलेगी और कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार होगा। स्थानीय स्तर पर सामाजिक व संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाने वाले दिलशाद अल्वी को यह जिम्मेदारी मिलना क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उनके मनोनयन पर क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों व शुभचिंतकों ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि इससे पार्टी को ग्रामीण व शहरी दोनों क्षेत्रों में मजबूती मिलेगी और संगठन का विस्तार होगा। कई लोगों ने उनके निवास पर पहुंचकर उन्हें बधाई दी तथा उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की। इस अवसर पर दिलशाद अल्वी ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे वह पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाएंगे। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की नीतियों और जनहितकारी कार्यक्रमों को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी तथा संगठन को मजबूत बनाने के लिए कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर लगातार प्रयास किए जाएंगे। साथ ही उन्होंने युवाओं, अल्पसंख्यकों और समाज के कमजोर वर्गों की आवाज को मजबूती से उठाने तथा पार्टी के जनाधार को बढ़ाने की दिशा में कार्य करने का संकल्प भी दोहराया।

पीएनबी मंडल कार्यालय बिजनौर ने विदुर कुटीर वृद्धा आश्रम में कंबल वितरण के साथ ही रेफ्रिजरेटर भी किया दान

बिजनौर(अमर भास्कर ब्यूरो)। पंजाब नेशनल बैंक के मंडल कार्यालय द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) गतिविधियों के अंतर्गत विदुर कुटीर वृद्धाश्रम, दारानगर गंज में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता पीएनबी के अंचल प्रबंधक लेफ्ट से कुलदीप सिंह राणा जी के द्वारा की गई। सीएसआर कार्यक्रम के अंतर्गत पीएनबी के मण्डल कार्यालय बिजनौर की तरफ से वृद्धजनों को कंबल और एक फ्रिज प्रदान किए गया। अपने उद्बोधन में राणा जी ने बताया कि पंजाब नेशनल बैंक द्वारा समय-समय पर इस प्रकार की सामाजिक गतिविधियाँ आयोजित की जाती रही है और पीएनबी बिजनौर आगे भी इस तरह की गतिविधि करता रहेगा। कार्यक्रम में पीएनबी मंडल प्रमुख, बिजनौर अजीत कुमार पांडेय, डिप्टी सर्किल हेड बीएस चौहान तथा दारानगर गंज शाखा के प्रबंधक नोमान फरीदी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

अवैध खनन की कवरेज करने गए मीडियाकर्मी चौधरी को मिली धमकी

अमर भास्कर ब्यूरो

बिजनौर। जनपद में अवैध खनन पर सवाल उठाने और उसकी सच्चाई उजागर करने वाले एक स्थानीय मीडियाकर्मियों को धमकाने का गंभीर मामला सामने आया है। थाना कोतवाली देहात क्षेत्र के ग्राम माहेश्वरी जट में अवैध खनन की कवरेज करने पहुचे भारत का बदलता शासन के संवाददाता बिकुल चौधरी को फोटो खींचने के बाद फोन पर धमकियां दी जा रही हैं। पीड़ित मीडियाकर्मी बिकुल चौधरी पुत्र सत्यवीर सिंह, निवासी ग्राम मूसेपुर, ने थाना कोतवाली देहात में दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि 10 फरवरी 2026 को वह ग्राम माहेश्वरी जट में लोडरों द्वारा किए जा रहे अवैध खनन की सूचना पर मौके पर पहुंचे थे। वहां उन्होंने अवैध खनन से जुड़े कुछ फोटो लिए और वापस लौट आए। इसके बाद से ही उन्हें लगातार फोन कॉल कर धमकाया जाने लगा। मीडिया कर्मी का आरोप है कि गांव मूसेपुर निवासी भूपेंद्र सिंह उर्फ गोल्डी ने फोन कर न केवल उसके साथ गाली-गलौज की, बल्कि अन्य मीडिया कर्मियों के लिए भी अभद्र भाषा का प्रयोग किया। आरोपी ने खुलेआम चुनौती देते हुए कहा कि जिसमें दम हो खनन रुकवा कर दिखाओ, खनन चलता रहेगा, तू नहीं रुकवा पाएगा। पीड़ित मीडियाकर्मी का कहना है कि इन धमकियों से उसे जान-माल का गंभीर खतरा है। अवैध खनन माफिया के हौसले बुलंद पूरी तरह बलन्द है इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि अवैध खनन माफिया इतने बेखौफ क्यों है कि अब पत्रकारों को भी खुली धमकियां दी जा रही हैं। खनन की तस्वीरें सामने आने के बाद जिस तरह से दबाव और डराने की कोशिश की गई, उससे साफ प्रतीत होता है कि अवैध खनन सुनियोजित तरीके से किया जा रहा है। पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की गई हैमीडिया कर्मी बिकुल चौधरी ने थाना अध्यक्ष कोतवाली देहात से आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई और सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो किसी भी अप्रिय घटना से इनकार नहीं किया जा सकता। पत्रकार संगठनों और स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर रोष है और सभी ने पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा अवैध खनन पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

बजट में दिव्यांगजनों के लिए राहत के पैकेज की उम्मीदः राष्ट्रीय अध्यक्ष एम आर पाशा

अमर भास्कर ब्यूरो

बिजनौर। पिछले कई दशकों से दिव्यांगों के हकों की लड़ाई लड़ रहे राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के संस्थापक / राष्ट्रीय अध्यक्ष व निर्वाचन आयोग के जिला स्तरीय समिति सदस्य ने सरकार के द्वारा 11 फरवरी को पेश किए जाने वाले बजट में दिव्यांग जनों की हिस्सेदारी की उम्मीद जताते हुए कहा है कि सरकार द्वारा पेश किए जाने वाले बजट को लेकर दिव्यांग जनों में काफी उत्साह है और सरकार से उम्मीद है कि दिव्यांग पेंशन 5000 रुपए प्रति माह से की जाए तथा दिव्यांगजन एक्ट 2016 लागू किया जाए। और दिव्यांग आयोग का गठन किया जाए जिसका अध्यक्ष दिव्यांग को ही बनाया जाए, दिव्यांग आरक्षण 4 से 10 प्रतिशत किया जाए, दिव्यांगजनों को निकाय चुनाव, पंचायत चुनाव, नगर निगम चुनाव, में आरक्षण प्रदान किया जाए, तथा विधानसभा, लोकसभा, विधान परिषद ,राज्यसभा, में भी उनको आरक्षण प्रदान किया जाए। इसी के साथ उनके रोजगार की व्यवस्था की जाए जो उनका बैक लोग है उस के अनुसार आरक्षण के हिसाब से उनको सरकारी नौकरी की व्यवस्था की जाए। दिव्यांग कार्ड यूडीआई डी सभी प्रावधानों में लागू की जाए। दिव्यांग जनों को ऋण उपलब्ध कराया जाए। जिससे वह अपना रोजगार कर आत्मनिर्भर हो सकें, किसी के मोहताज ना हो सके। उन्होंने प्रदेश एवं केंद्र की सरकार से अपील कर कहा है कि उत्तर प्रदेश सरकार का बजट दिव्यांग हित में होगा। आज 11 फरवरी को पेश किए जाने वाले बजट से प्रदेश सरकार से काफी उम्मीद है, और दिव्यांगजन काफी उत्साहित है। राज्य सरकार दिव्यांग जनों के लिए अच्छी घोषणा करें ऐसी हम सबको उम्मीद है।

पुलिस और पल्लवी पटेल के बीच झड़प, धरने पर बैठीं पल्लवी पटेल

अमर भास्कर, ब्यूरो

लखनऊ। में पुलिस और अपना दल (कमेरावादी) की विधायक पल्लवी पटेल के बीच झड़प हो गई। पल्लवी यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन 2026 के समर्थन में पैदल मार्च निकाल रही थीं। वह आईटीम चौराहे से निकलीं और यहां से विधानसभा तक जाना था।

मार्च जब रिजर्व पुलिस लाइन के पास से गुजरने लगा तो पुलिस ने पल्लवी पटेल को रोक दिया। बैरिकेडिंग की गई थी। पल्लवी ने इस पर चढ़ने की कोशिश की तो पुलिस ने फिर रोका। इस दौरान पुलिस और पल्लवी के बीच झड़प हो गई। इसके बाद वो सड़क पर ही धरने पर बैठ गईं। पल्लवी पटेल ने कहा, प्रदर्शन नहीं आम जनता के मुद्दे को लेकर सड़क पर उतरे हैं। इसका जवाब हम सरकार से चाहते हैं। उद्देश्य इतना है कि समानता को बढ़ावा देने वाले यूजीसी रेग्युलेशन 2026 को सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश और संसदीय समिति की संस्तुति के बाद लाया गया, तो फिर समाज के एक वर्ग के लोगों के विरोध में सर्वोच्च न्यायालय ने स्वत: संज्ञान लेते हुए बैन क्यों लगाया। समानता को लागू करने वाला कानून था। जब इस रेग्युलेशन में खामियां हैं, तो जीएसटी, नोटबंदी, धारा-370 जैसे कानून रातों रात कैसे आए। क्या उनमें कमियां नहीं थीं। सुधार की गुंजाईश हमेशा रहती है, तो इस पर बैन क्यों लगा। यूनिवर्सिटी में यह रेग्युलेशन लागू होना चाहिए। पुलिस काफी देर तक समझाती रही लेकिन पल्लवी वहां से हटने को तैयार नहीं हुईं। इसके बाद पुलिस ने कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। इस दौरान सबको गाड़ियों में बैठा दिया गया, लेकिन पल्लवी सड़क पर बैठ गईं।

तो क्या गृहस्वामी ने की थी पत्नी समेत मासूमों की हत्या

अमर भास्कर, ब्यूरो

मथुरा। महावन थाना क्षेत्र के गांव खप्परपुर में मंगलवार सुबह एक सनसनीखेज मामले में एक ही परिवार के पांच लोगों की जान चली गई। पहले ये जानकारी सामने आई थी कि सभी ने सुसाइड किया है लेकिन बाद में ये जानकारी मिली कि गृहस्वामी ने अपने तीन मासूम बच्चों का गला दबाया, फिर पत्नी के सिर पर वार किया। खुद करंट लगाकर जान दे दी। गृहस्वामी करीब तीन वर्ष से तंत्र-मंत्र के चक्कर में भी था। पुलिस गहनता से जांच में जुटी है। मृतक के मोबाइल में एक वीडियो मिला है, जिसमें उसने कहा है कि वह खुद आत्महत्या कर रहा है, किसी को परेशान न किया जाए।

घर की दीवार और एक पर्ची पर भी आत्महत्या करने की बात लिखी है।

खप्परपुर निवासी 35 वर्षीय मनीष जाटव, उनकी पत्नी 32 वर्षीय सीमा, पांच वर्षीय बेटी हनी, चार वर्षीय प्रियांशी और दो वर्ष के बेटे पंकज का शव मंगलवार सुबह के घर के अंदर पड़ा मिला। जब काफी देर तक दरवाजा नहीं खुला तो पड़ोस में रह रहे मनीष के भाई पीछे की दीवार फांदकर अंदर पहुंचे। खिड़की से देखा तो कमरे में पांचों लोगों के शव पड़े थे। ग्रामीणों के साथ दरवाजा तोड़ा और कमरे के अंदर घुसे, फिर पुलिस को सूचना दी। मनीष ने अपने घर की दीवार पर लिखा है कि मैं मनीष आत्महत्या कर रहा हूं, किसी को परेशान न किया जाए। घर के कमरे में एक पर्ची मिली है, इस पर भी लिखा है कि मैं आत्महत्या कर रहा हूं, किसी को परेशान न किया जाए। पुलिस ने मनीष के मोबाइल से एक वीडियो भी बरामद किया है, इसमें मनीष कह रहे हैं कि मैं आत्महत्या कर रहा हूं। इसमें किसी का कोई दोष नहीं है। यह भी कहा है कि कुछ दिन पहले उन्होंने साढ़े 12 लाख रुपये की जमीन बेची थी, उसका पैसा भी उन्हें मिल गया है। प्रथम दृष्टया पत्नी के सिर पर किसी वस्तु से मनीष ने प्रहार किया, फिर तीन बच्चों का गला दबाया, उनकी मृत्यु के बाद खुद को करंट लगा लिया। घटनास्थल पर एडीजी अनुपम कुलश्रेष्ठ, डीएम सीपी सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार पहुंचे। डीएम ने बताया कि वीडियो में भी मनीष ने आत्महत्या की बात कही है। आत्महत्या है या फिर कोई और कारण यह भी पता किया जा रहा है। दोपहर बाद मंडलायुक्त नगेन्द्र प्रताप भी मथुरा पहुंचे उन्होंने पोस्टमार्टम जाकर सभी जानकारी हासिल की।

13 फरवरी को चलेगा मॉप अप राउंड अभियान

अमर भास्कर, ब्यूरो

मथुरा। जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ राधा बल्लभ के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम के अर्न्तगत मंगलवार 10फरवरी को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अभियान शुरू हो गया। अभियान का शुभारंभ पीएम केंद्रीय विद्यालय तीन बाद जनपद मथुरा में मुख्य चिकित्सा अधिकारी की उपस्थित बच्चों को एलबेंडाजोल की गोली खिलाकर किया गया।

शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित निजी एवं सरकारी विद्यालयों और आंगनवाड़ी केन्द्रों पर बच्चों को अल्बेंडाजोल की गोली खिलाई गई। जो बच्चे किसी कारणवश दवा खाने से छूट जाएंगे उन्हें 13 फरवरी को मॉप-अप राउंड के दौरान दवा खिलाई जाएगी। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आलोक कुमार ने बताया कि एक से 19 वर्ष तक के बच्चों व किशोर-किशोरियों में कृमि संक्रमण होने की आशंका रहती है। कृमि संक्रमण के कारण कुपोषण भी हो जाता है। पेट के कीड़े संक्रमित व्यक्ति के शरीर से पोषण लेते है , इसके कारण अच्छा पौष्टिक भोजन देने के बाद भी बच्चा कुपोषित रहता है। इसलिए सभी जनपदवासियों से अपील है कि वह अपने एक से 19 वर्ष तक के बच्चों व किशोर-किशोरियों को 10 फरवरी को चलने वाले राष्ट्रीय कृमि मुक्ति अभियान के दौरान अल्बेंडाजोल की दवा जरूर खिलाएं। कृमि मुक्ति अभियान बच्चों को स्वस्थ रखने की दिशा में एक कदम हैं। अभियान को सफल बनाने के लिए सभी का सहयोग महत्वपूर्ण है। जिला सामुदायिक प्रक्रिया समन्वयक डॉ. पारुल शर्मा ने बताया कि इस अभियान को आशा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और स्कूलों के सहयोग से चलाया जायेगा।

हाथ उठाकर खाई मकान और मंदिर न देने की शपथ

अमर भास्कर, ब्यूरो

मथुरा। विश्व विख्यात बाँकेबिहारी मंदिर कॉरिडोर विवाद में सेवायतों द्वारा मंगलवार को अपना विरोध दर्ज कराया। प्रस्तावित कॉरिडोर निर्माण के पीड़ित जनों ने बांकेबिहारी मंदिर चबूतरा पर हाथ उठाकर अपना मकान और मंदिर ना देने की शपथ खाई। सभी ने एक स्वर में कहा कि सरकार कुछ भूमाफियाओं द्वारा दबाव डालकर जबरदस्ती हमारे सेकड़ों साल पुराने

मंदिरों और मकानों को छीनना चाहती है। पंडित सोहन लाल मिश्र ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का सख्त आदेश है कि यदि कॉरिडोर बनता है तो बिहारी जी के कोष से रकम दी जाएगी और बिहारी जी मंदिर के निमित्त ही रजिस्ट्री होगी तो फिर यह सरकार का प्रशासन अपने नाम रजिस्ट्री कैसे करवा सकता है और कहाँ से धन दे रहा है, यह सब जो रजिस्ट्री हुई है, सभी अवैध है और दबाब डालकर करवाई गई है। राधा मिश्रा ने कहा कि प्रशासन जनता के बीच में भ्रम की स्थिति पैदा करके बाकी अन्य लोगों को भी दबाव में लेने की कोशिश कर रहा है। शशि पहलवान ने कहा कि एक दर्शनार्थी जूते चप्पल लेने को दो बार घूमकर मंदिर आता है।

सार-संक्षेप

छह यात्रियों की मौत के जिम्मेदार दोषी कैंटर चालक गिरफ्तार

अमर भास्कर, ब्यूरो

मथुरा। यमुना एक्सप्रेस वे पर बस से लघुशंका को उतरे छह यात्रियों को रौंदने के आरोपित कैंटर चालक को सुरीर पुलिस ने मंगलवार को तेहरा अंडरपास पर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

दिल्ली के नांगलोई से औरैया के विधूना जा रही स्लीपर कोच बस के चालक ने यमुना एक्सप्रेस वे पर माइल स्टोन 88 पर बस मालिक के भतीजे सोनू को बैठाने के लिए बस को रोक लिया था। तभी कुछ यात्री लघुशंका करने के लिए नीचे उतर गए थे। इस दौरान नोएडा की ओर से कांच का स्क्रैप लेकर आ रहे कैंटर ने नीचे खड़े यात्रियों को रौंदते हुए बस में टक्कर मार दी थी, जिससे छह यात्रियों की मृत्यु हो गई थी। कैंटर चालक के अलावा बस चालक को भी हादसे के लिए जिम्मेदार मानते हुए सुरीर पुलिस ने उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। क्योंकि चालक ने ग्रीन जोन के बजाय बस को सड़क की आखिरी लेन पर रोक लिया था।हादसे के बाद दोनों वाहनों के चालक मौके से फरार हो गए थे। जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की तीन टीम गठित की गई थीं। सुरीर थाना प्रभारी अजय कुमार सिंह ने बताया कि कैंटर चालक दिनेश कुमार निवासी मोहल्ला ओमनगर चंदवार गेट थाना लाइनपार जिला फिरोजाबाद को मंगलवार सुबह तेहरा अंडरपास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि बस चालक की गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है।

मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण में बड़ा फेरबदल

अमर भास्कर, ब्यूरो

मथुरा। मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण में प्रशासनिक व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने और कार्यक्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से बड़ा फेरबदल किया गया है। प्राधिकरण की उपाध्यक्ष लक्ष्मी एन. के निर्देशानुसार सचिव आशीष कुमार सिंह ने सोमवार को एक कार्यालय आदेश जारी करते हुए शहर के विभिन्न सेक्टरों में तैनात अवर अभियंताओं के कार्यक्षेत्रों में व्यापक बदलाव किए हैं। इस बदलाव का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में बढ़ रहे अवैध निर्माणों पर प्रभावी रोक लगाना और शमन संबंधी मानचित्रों की पत्रावलियों का त्वरित निस्तारण करना है। प्राधिकरण ने पूरे क्षेत्र को 12 सेक्टरों में विभाजित करते हुए जिम्मेदारियां सौंपी हैं। प्रमुख आवंटन इस प्रकार हैं। वृंदावन क्षेत्र: सेक्टर-01 (छटीकरा से वृंदावन दांई ओर) की जिम्मेदारी सुनील कुमार राजौरिया को दी गई है जबकि सेक्टर-02 (वृंदावन शहर) का कार्यभार बदन सिंह संभालेंगे। मथुरा शहर व यमुना पार: सेक्टर-03 (यमुना पार) के लिए अनिल सिंघल और सेक्टर-04 (मथुरा शहर) के लिए बदन सिंह को नामित किया गया है। हाईवे और सीमावर्ती क्षेत्र: सेक्टर-05 (गोकुल बैराज से आगरा सीमा) की जिम्मेदारी मनोज अग्रवाल को मिली है। वहीं गोवर्धन-राधाकुण्ड क्षेत्र (सेक्टर-10) का जिम्मा हिमांशु दिवाकर को सौंपा गया है। कोसी-नन्दगाँव क्षेत्र: सेक्टर-11 में मनोज अग्रवाल कार्यों की देखरेख करेंगे। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि अनिल सिंघल (अवर अभियंता) के अवकाश से लौटने तक उनके आवंटित क्षेत्र (सेक्टर-03) का कार्य बदन सिंह द्वारा अतिरिक्त रूप से देखा जाएगा। सूत्रों के अनुसार यह फेरबदल उन शिकायतों के बाद किया गया है जिनमें कुछ क्षेत्रों में अवैध कॉलोनियों और निर्माणों की गति बढ़ने की बात सामने आई थी। नए आवंटन के बाद अब अवर अभियंताओं के साथ-साथ संबंधित सहायक अभियंताओं जैसे पंकज शुक्ला, सुमित कुमार-प्रथम और सुमित कुमार-द्वितीय की जवाबदेही भी तय कर दी गई है।

नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर

मथुरा। श्री वामन भगवान महोत्सव समिति (रजिस्टर्ड, उत्तर प्रदेश) के तत्वावधान में मंगलवार को गली पातीराम, मंडी रामदास स्थित सुरेश चंद गोला जी के आवास पर, मंदिर के समीप एक नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया गया।

अविश्वास प्रस्ताव पर फैसला होने तक सदन में नहीं आएंगे स्पीकर

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने नैतिक आधार पर फैसला किया है कि वह अपने खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के निपटारे तक सदन में नहीं जाएंगे। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

उनका यह कदम कांग्रेस की ओर से आज उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने के बाद आया। लोकसभा अध्यक्ष ने सदन के सचिव को निर्देश दिया कि वह उनके खिलाफ अविश्वास नोटिस की समीक्षा करें और उपयुक्त कार्रवाई करें। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कांग्रेस की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि (लोकसभा में विपक्ष के नेता) राहुल गांधी और कांग्रेस नेताओं ने लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया है। पात्रा ने कांग्रेस पर तमिलनाडु के जज के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की योजना का आरोप भी लगाया।

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि आज दोपहर 1रू14 बजे उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। सूत्रों के अनुसार, कुल 118 सांसदों ने इस नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। सूत्रों ने कहा कि विपक्ष के सांसदों ने आरोप लगाया कि लोकसभा अध्यक्ष ने स्पष्ट तौर पर पक्षपाती व्यवहार किया और विपक्ष के नेताओं को बोलने की अनुमति नहीं दी।

जानकारी के मुताबिक, नौ मार्च को बिरला को लोकसभा स्पीकर के पद से हटाने के लिए विपक्ष की ओर से लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा हो सकती है। इस दौरान के कम से कम पचास सांसदों को खड़े होकर समर्थन दिखाना होगा। इसके बाद ही पीठासीन अधिकारी इस प्रस्ताव पर औपचारिक रूप से चर्चा की अनुमति दे सकता है।

अविश्वास प्रस्ताव नोटिस पर राहुल गांधी ने ही नहीं किए हस्ताक्षर

दिल्ली। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ विपक्षी सांसदों ने लोकसभा सचिवालय को अविश्वास प्रस्ताव लाने का नोटिस दिया है। यह नोटिस नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को संसद में न बोलने देने के आरोप में लाया जा रहा है। हालांकि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने ही इस पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। न्यूज एजेंसी एएनआई ने कांग्रेस सूत्रों के हवाले से बताया कि स्पीकर को पद से हटाने के नोटिस पर नेता प्रतिपक्ष का हस्ताक्षर करना संसदीय लोकतंत्र में सही नहीं है। इसी वजह से राहुल गांधी ने नोटिस पर हस्ताक्षर नहीं करने का फैसला किया। विपक्ष के 118 सांसदों ने इस नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। हस्ताक्षर करने वाले सांसदों में कांग्रेस, डीएमके, सपा के सांसद शामिल हैं। नोटिस में विपक्ष ने कहा है, लोकसभा स्पीकर लगातार विपक्षी सांसदों को जनहित के मुद्दे उठाने से रोक रहे हैं।

किताब पर जनरल नरवणे की पहली प्रतिक्रिया, पेंगुइन के बयान को सोशल मीडिया पर किया पोस्ट

दिल्ली। पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने अपनी पुस्तक फोर स्टार्स ऑफडेस्टिनी को लेकर पहली बार सार्वजनिक प्रतिक्रिया दी है। जनरल नरवणे ने इस संबंध में पेंगुइन इंडिया की ओर से जारी बयान को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। प्रकाशन ने कहा था कि कंपनी द्वारा पुस्तक की कोई भी प्रति ''मुद्रित या डिजिटल रूप में'' प्रकाशित, वितरित, बेची या किसी अन्य तरीके से जनता के लिए उपलब्ध नहीं कराई गई है। अब पेंगुइन इंडिया के ट्वीट पर रिट्वीट करते हुए जनरल एमएम नरवणे ने एक्स पर लिखा कि यह किताब की स्थिति है। इसी बीच प्रकाशन की ओर से एक अन्य बयान भी जारी किया गया है। जिसमें प्रकाशक ने कहा है कि किसी किताब या उसके प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध होने की घोषणा को पब्लिकेशन नहीं माना जाना चाहिए। इसके साथ पब्लिकेशन हाउस ने कहा है कि प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध किताब और पब्लिश हुई किताब एक ही बात नहीं हैं।

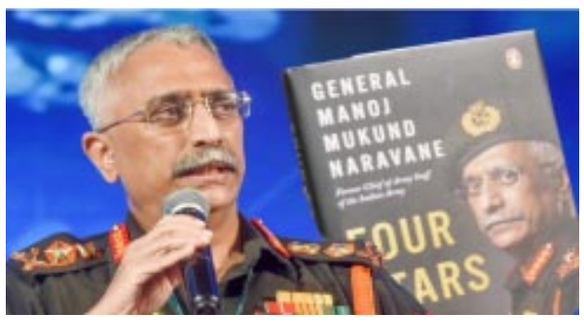

'पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया' (पीआरएचआई) ने पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे के संस्मरण 'फोर स्टार्स ऑफडेस्टिनी' की अनधिकृत प्रतियां उपलब्ध होने की खबरों के बीच कहा है कि इसके प्रकाशन का अधिकार केवल उसके पास है और यह पुस्तक अब तक प्रकाशित नहीं हुई है। इससे पहले, दिल्ली पुलिस ने नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक के सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की थी।

प्रकाशन ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा था कि पुस्तक की मुद्रित या डिजिटल- किसी भी रूप में कोई भी प्रति जारी नहीं की गई है। प्रकाशक ने एक बयान में कहा, ''पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया यह स्पष्ट करना चाहता है कि भारतीय सेना के पूर्व प्रमुख जनरल एम. एम. नरवणे द्वारा लिखित आत्मकथा 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' के प्रकाशन अधिकार केवल हमारे पास हैं। हम यह भी स्पष्ट करना चाहते हैं कि पुस्तक का प्रकाशन अब तक नहीं हुआ है।''

बयान में कहा गया है कि कंपनी द्वारा पुस्तक की कोई भी प्रति ''मुद्रित या डिजिटल रूप में'' प्रकाशित, वितरित, बेची या किसी अन्य तरीके से जनता के लिए उपलब्ध नहीं कराई गई है। प्रकाशक ने यह भी चेतावनी दी कि वर्तमान में प्रसारित हो रहे पुस्तक के संस्करण को कॉपीराइट उल्लंघन माना जाएगा। पिछले सप्ताह संसद परिसर में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को कथित तौर पर इस पुस्तक की एक प्रति दिखाते हुए देखा गया था। पेंगुइन ने अपने बयान में कहा श्एक घोषित किताब, प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध किताब और प्रकाशित किताब तीन अलग-अलग चीजें हैं। केवल घोषणा का मतलब है कि किताब भविष्य में प्रकाशित की जाएगी। प्री-ऑर्डर केवल पाठकों और रिटेलरों को अग्रिम आदेश देने की सुविधा देता है, इसका मतलब यह नहीं कि किताब पहले से ही उपलब्ध है। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रकाशन की निर्धारित तिथि केवल योजना का संकेत है, किताब बाजार में तभी उपलब्ध होती है जब इसे खरीदने के लिए रिटेल चौनलों पर रखा गया हो। पेंगुइन ने पहले कहा था कि किताब के प्रिंट या डिजिटल रूप में कोई संस्करण प्रकाशित, वितरित या बेचा नहीं गया है।

स्थापना दिवस पर बैंक ने बांटी सिलाई मशीन

अमर भास्कर, ब्यूरो

मथुरा। देश की प्रमुख इंडियन ओवरसीज बैंक का 90वां स्थापना दिवस मथुरा में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर बैंक द्वारा जनकल्याण और सामाजिक उत्थान से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए गए। स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में इंडियन ओवरसीज बैंक वाई एन वाई शाखा मथुरा द्वारा पी एम वी पॉलिटेक्निक कॉलेज मथुरा को पांच सिलाई मशीनें प्रदान की गईं। यह योजना कौशल विकास महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित की गई। इस अवसर पर वाई एन

वाई शाखा मथुरा जय कृष्ण वरिष्ठ शाखा प्रबंधक मथुरा मुख्य शाखा गौरव शर्मा प्रबंधक तथा सचिन यादव प्रबंधक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वरिष्ठ शाखा प्रबंधक हेमंत कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि इंडियन ओवरसीज बैंक समाज के विकास के लिए लगातार कार्य कर रहा है। बैंक शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से युवाओं और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास कर रहा है। पी एम वी पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्रतिनिधि अतुल कुमार वर्मा तथा प्राचार्य सूर्य प्रताप सिंह ने बैंक द्वारा दिए गए सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्लाटून कमांडर की बेटी चीर घाट से लापता

अमर भास्कर, ब्यूरो

वृंदावन। हरियाणा के हिसार से पति के साथ वृंदावन घूमने आई युवती रविवार दोपहर को चीर घाट के समीप भीड़ के बीच से अचानक लापता हो गई। साथ चल रहे पति के काफी तलाश करने के बाद निराशा हाथ लगने पर पति ने वृंदावन कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराई है। लापता युवती के पिता हरियाणा के फतेहाबाद में होमगार्ड के प्लाटून कमांडर हैं। वह अपनी बेटी की तलाश पिछले दो दिनों से कर रहे हैं। प्लाटून कमांडर बलवंत सिंह ने बताया कि उनकी बेटी सपना पति हिसार

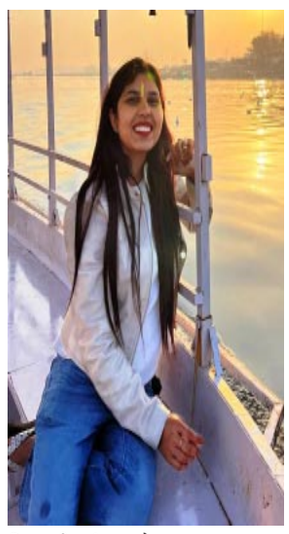

निवासी संजय के साथ शुक्रवार को वृंदावन घूमने आई थी। रविवार दोपहर को वह चीर घाट के समीप भीड़ के बीच अपने पति से बिछुड़ गई। उसके बाद से ही वह लापता हो गई। इसकी जानकारी दामाद संजय ने उन्हें फोन कॉल करके दी। वह भी हरियाणा से बेटी की तलाश में आए। उन्होंने और दामाद के साथ बेटी को काफी तलाश किया, लेकिन कुछ भी सुराग नहीं लगा। किसी अनहोनी की आशंका जताते हुए पति संजय ने पत्नी की गुमशुदगी दर्ज कराई है। पुलिस ने उनकी तलाश शुरु कर दी है। वहीं युवती का फोन भी बंद जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक अजरा परवीन द्वारा वेदवीर प्रिन्टर्स, विद्यापीठ पुरम् सिविल लाइन, बदायूं से मुद्रित एवं कार्यालय अमर भास्कर निकट रीजेन्सी होटल लावेला चौक, बदायूं (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक: अबरार अहमद** (इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन हेतु पी.आर.बी. की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी)। समस्त विवाद बदायूं न्यायालय के अधीन होगें। मोबाइल नं. 9411214614, ई-मेल: amarbhashkar21@gmail.com, RNI No.:- UPHIN/2023/91022